इंदौर, गुरुवार 19 फरवरी 2026
■ वर्ष : 5 ■ अंक : 98
■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2
dainikindoresanket.com
dainikindoresanket
dainikindoresanket
dainikindoresanket24@gmail.com

सांध्य दैनिक

इंदौर संकेत

आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650

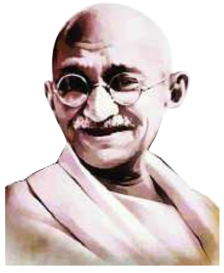

राष्ट्रपिता को नमन...

अंदर के पन्नों पर...

इंदौर एयरपोर्ट पर बढ़ेंगी सुविधाएं

पेज-2

मैं सिंगल हूं और मिंगल के लिए तैयार हूं : मृणाल

पेज-5

एमपी में बिछेगा सड़कों का महाजाल

पेज-6

न्यूज ब्रीफ

- केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने एआई समिट में वैश्विक नेताओं का किया स्वागत
- रमजान के पवित्र महीने में दिल्ली में सभी शराब की दुकानों को बंद किया जाए : एआईएमआईएम
- बिहार : विधानसभा में आज शिक्षा विभाग के बजट प्रस्ताव पर होगी चर्चा
- बेंगलुरु एयरपोर्ट पर भारी मात्रा में जब्त की गई कोकीन, ब्राजील का नागरिक गिरफ्तार
- यूपी : उन्नाव में क्रिकेट मैच के दौरान मधुमक्खियों के हमले में घायल अंपायर की मौत
- ईरान के कई अधिकारियों पर अमेरिका ने लगाया वीजा बैन
- मथुरा में तेज रफ्तार कार नहर में गिरी, एक ही परिवार चार युवकों की मौत
- वॉशिंगटन में गाजा पीस बोर्ड की पहली मीटिंग आज, भारत नहीं होगा शामिल
- आज एआई समिट का उद्घाटन करेंगे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी
- यूनाइटेड किंगडम के साथ हमारे संबंध मजबूत और शक्तिशाली : डोनाल्ड ट्रंप
- बेंगलुरु : राज्य कार्यकारिणी में वीबी-जीरामजी एक्ट के समर्थन में प्रस्ताव पास करेगी बीजेपी
- गाजा संकट पर आज वाशिंगटन में बैठक करेगा ट्रंप का 'बोर्ड ऑफ पीस'

99 का खेल : इंदौर की कोचिंग क्लासेस का 'परसेंटाइल' जाल, छात्रों पर बढ़ा अनावश्यक दबाव

आशीष गुप्ता : 9425064357

इंदौर ● दैनिक इंदौर संकेत

शहर में जेईई-मेंस के नतीजे आते ही कोचिंग संस्थानों की होर्डिंग्स और सोशल मीडिया पोस्ट्स से एक ही आंकड़ा चमकता है 99। बड़े-बड़े अक्षरों में लिखी यह संख्या ऐसे पेश की जाती है, मानो छात्र ने 300 में से 99 अंक हासिल कर लिए हों। हकीकत में यह परसेंटाइल है, अंक नहीं। लेकिन प्रचार की भाषा और प्रस्तुति ऐसी कि अभिभावक और छात्र भ्रमित हो जाएं।

क्या है असल सच्चाई?

जेईई मेन में परिणाम परसेंटाइल के रूप में घोषित होते हैं, जो सापेक्ष (रिलेटिव) प्रदर्शन दर्शाते हैं। 99 परसेंटाइल का अर्थ है आप 99% छात्रों से बेहतर हैं। यह 99 अंक नहीं है। परसेंटाइल नॉर्मलाइजेशन के बाद तय होता है, जो अलग-अलग शिफ्ट की कठिनाई के अनुसार बदलता है। इसके बावजूद कई संस्थान पोस्टर पर '99' को इस अंदाज़ में उछालते हैं कि साधारण अभिभावक अंक और परसेंटाइल का फर्क ही न समझ पाए।

कैसे बनता है दबाव?

95-98 परसेंटाइल जैसे उत्कृष्ट परिणाम भी 'कम' लगने लगते हैं। छात्र खुद को असफल मानने लगते हैं। अभिभावक अवास्तविक अपेक्षाएं पाल लेते हैं। कमजोर छात्र हतोत्साहित होकर पढ़ाई से दूरी बनाने लगते हैं। शहर के एक अभिभावक ने नाम न छापने की शर्त पर कहा, 'पोस्टर देखकर लगा कि बच्चे को 99 नंबर मिले हैं। बाद में पता चला यह परसेंटाइल है। इतनी बड़ी उपलब्धि है, फिर भी उसे ऐसे बेचा जा रहा है जैसे चमत्कार हो।'

विज्ञापन या भ्रामक प्रस्तुति?

शहर में रिजल्ट सीजन आते ही चौराहों पर सैकड़ों होर्डिंग्स, अखबारों में फुल-पेज विज्ञापन, सोशल मीडिया पर 'टॉपर फैक्ट्री' के दावे किए जाते हैं, जिनमें कई जगह छोटे अक्षरों में प्रसेंट लिखा होता है, जबकि बड़ा फोकस केवल '99' पर रहता है। अब सवाल यह उठता है कि क्या यह पारदर्शिता है या मार्केटिंग की चाल?

शिक्षाविदों का मानना है कि परसेंटाइल और अंक के अंतर को स्पष्ट करना जरूरी है। सफलता का पैमाना केवल 99 नहीं हो सकता। हर छात्र की क्षमता अलग होती है। मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ चेतावनी देते हैं कि 'अत्यधिक तुलना और अवास्तविक लक्ष्य छात्रों में चिंता और अवसाद बढ़ा सकते हैं।'

असली मुद्दा : शिक्षा या ब्रांडिंग?

कोचिंग संस्थान टॉपर की तस्वीर के साथ अपना नाम चमकाते हैं, लेकिन कुल कितने छात्रों में से टॉपर निकला? कितनों का औसत परिणाम रहा? कितनों ने बीच में पढ़ाई छोड़ी? इन सवालों पर अक्सर चुप्पी रहती है।

बेमौसम बारिश से फसलें हुई तबाह...

इंदौर। कल देर रात में हुई तेज बारिश से खेतों में खड़ी फसलें बर्बाद हो गई। चित्र इंदौर स्थित सेमलिया चाऊ गांव का।

इंदौर-भोपाल-उज्जैन समेत 19 जिलों में बारिश, वापस लौटी ठंड

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● मध्य प्रदेश में मौसम का मिजाज एक बार फिर बिगड़ गया है। नए सिस्टम के सक्रिय होने से प्रदेश में फरवरी के महीने में तीसरी बार ओले और बारिश का दौर शुरू हुआ है। 12 घंटों के दौरान इंदौर, भोपाल, ग्वालियर और उज्जैन समेत 19 से अधिक जिलों में गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ीं, जिससे ठिठुरन बढ़ गई है। गुरुवार सुबह राजधानी भोपाल समेत कई जिलों में मौसम ने अचानक करवट ली। भोपाल में बादलों की तेज गड़गड़ाहट के साथ करीब डेढ़ घंटे तक कभी रिमझिम तो कभी तेज बारिश हुई।

ठंडी हवाओं के चलने से दिन के तापमान में गिरावट की संभावना जताई जा रही है। इस बेमौसम बारिश और तेज आंधी ने किसानों की माथे पर चिंता की लकीरें खींच दी हैं। कई जिलों में खेतों में खड़ी फसलें आड़ी हो गई हैं, जिससे दानों की गुणवत्ता और पैदावार पर बुरा असर पड़ने की आशंका है। कुछ इलाकों में ओलावृष्टि से भी नुकसान की खबरें हैं। प्रदेश में खजुराहो सबसे ठंडा रहा, जहां न्यूनतम तापमान 9.2 डिग्री दर्ज किया गया। इसके अलावा राजगढ़ और पचमढ़ी में भी कड़ाके की ठंड महसूस की गई। मौसम विभाग के अनुसार भोपाल, दतिया, गुना, ग्वालियर, इंदौर, रतलाम, श्योपुर, उज्जैन, धार, विदिशा, बड़वानी, आगर-मालवा, शाजापुर, मुरैना, छतरपुर, शिवपुरी, सीहोर और मंदसौर जैसे जिलों में बारिश दर्ज की गई है।

देर रात इंदौर में बना 66वां ग्रीन कॉरिडोर

खरगोन के ब्रेन डेड शख्स के हार्ट, किडनियां व लिवर से दूसरों को मिलेगी नई जिंदगी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● शहर में बुधवार देर रात 66वां ग्रीन कॉरिडोर बना। इसमें खरगोन गांवशिंदे कॉलोनी निवासी विजय जायसवाल की ब्रेन डेड के बाद महत्वपूर्ण अंगों को ट्रांसप्लांट करने की प्रक्रिया शुरू की गई है। दरअसल 15 फरवरी को सड़क हादसे में घायल होने के बाद उन्हें विशेष ज्युपीटर हॉस्पिटल में एडमिट किया गया था। उन्हें बुधवार को डॉक्टरों की टीम ने ब्रेन डेड घोषित कर दिया। उनकी पत्नी आराधना जायसवाल, भाई विनोद, विशाल जायसवाल और बेटे प्रथमेश की सहमति के बाद रात में दो ग्रीन कॉरिडोर बनाए गए। पहला कॉरिडोर विशेष जुपिटर हॉस्पिटल से एयरपोर्ट तक बनाया गया। जुपिटर अस्पताल से हार्ट की टीम 10:37 बजे हार्ट लेकर निकली और 10:52 बजे एयरपोर्ट पहुंच गई। जहां से उसे विमान के जरिए अहमदाबाद भेजा गया। वहां यह हार्ट एक मरीज को ट्रांसप्लांट किया जाएगा।

विपिन वानखेड़े से नहीं छूट रहा आगर मालवा का मोह

एक हाथ इंदौर में तो दूसरा आगर मालवा में

निलेश चौहान : 94250-77209

देपालपुर ● दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर जिले की कांग्रेस को मजबूत करने आए जिला अध्यक्ष विपिन वानखेड़े अब असमंजस की स्थिति में फंस गए। आधे समय इंदौर की राजनीति करते हैं, आधे समय मन आगर में लगा रहता है। पैराशूट जिला अध्यक्ष विपिन वानखेड़े के लिए इंदौर जिले में राजनीतिक करना बड़ी चुनौती बन गया है, क्योंकि ग्रामीण अंचल में कांग्रेस की गुटबाजी खत्म करने की बजाय विपिन ने और मुश्किलें बढ़ा दी। सूत्र बताते हैं कि ग्रामीण अंचल में विपिन ने पट्ठा वाद की राजनीति शुरू कर दी है। इसी कारण अब तक ब्लॉक अध्यक्ष की घोषणा भी नहीं कर पाए। दूसरी सबसे बड़ी बात विपिन वानखेड़े का मोह आगर-मालवा में लगा हुआ है। आधे दिन इंदौर जिले की राजनीति करते हैं तो आधे दिन आगर मालवा में अपना डंका बजाने में लग जाते हैं। आगर से विपिन वानखेड़े विधायक रहे हैं पिछला चुनाव वह मधु गहलोत के सामने हार

गए। इंदौर के राजनीतिक चाणक्य का कहना है कि कैसे विपिन वानखेड़े जिले की राजनीति को चलाएंगे? देखा जाए तो ग्रामीण अंचल में सबसे ज्यादा कांग्रेस की हालत खराब है। यहां कांग्रेस को कड़ी मेहनत करने की जरूरत है। कार्यकर्ताओं को घर-घर जाकर भाजपा सरकार की अनीतियों के खिलाफ जानकारी देना होगी, अभी तक कांग्रेस की न जिले में नियुक्ति हुई और न ब्लॉकों में नियुक्ति हुई तो कैसे कांग्रेस मजबूत होगी? आने वाले समय में नगर निगम, नगर परिषद के चुनाव होना है, यही हालात रहे तो कांग्रेस नहीं उभर पाएगी। वानखेड़े को आगर का मोह त्याग कर इंदौर जिले की राजनीति में ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

जिला अध्यक्ष की नियुक्ति के बाद भोपाल से लेकर दिल्ली तक वानखेड़े के खिलाफ विरोध के स्वर उठे थे, लेकिन जीतू पटवारी की मनुहार ने विरोध को ठंडे बस्ते में डाल दिया। सबसे ज्यादा नुकसान विपिन को बाहरी होने के कारण उठाना पड़ रहा है, क्योंकि ग्रामीण अंचल में उन्हें जानकारी नहीं कि यहां किस नेता को कैसे एडजस्ट करें। देपालपुर, महू, सांवेर सबसे ज्यादा खराब स्थिति में है। देपालपुर में कांग्रेस के लिए राधेश्याम पटेल किला लड़ा रहे हैं, छोटे से बड़े आयोजन में कांग्रेसियों को साथ लेकर चल रहे हैं। घर-घर दस्तक दे रहे हैं, लेकिन महू और सांवेर के हालात चिंताजनक है। सांवेर से तुलसी पहलवान सबसे भारी है, क्योंकि कांग्रेस से बीजेपी में जाने के बाद कहीं कांग्रेसियों को वह अपने साथ भाजपा में ले गए। इसलिए सांवेर भाजपा का गढ़ बन गया। दूसरा महू में अंतरसिंह दरबार कांग्रेस के कद्दावर नेता थे, लेकिन उनके भाजपा में जाने के बाद महू में कांग्रेस की जमीन फीकी हो गई।

विपिन को कहीं कांग्रेसी सलाह दे रहे हैं या तो आप जिले की राजनीति करें या फिर आगर में विधानसभा की तैयारी करें, लेकिन विपिन चाहते हैं मेरे दोनों हाथों में लड्डू रहे, मैं आगर से चुनाव भी लड़ू और जिला अध्यक्ष भी रहूं।

पीएम बनते ही हिंदुओं को जलाने वालों पर टूट पड़े तारिक!

ढाका (एजेंसी) ● शपथ लेते ही तारिक रहमान ने हिंदुओं पर हो रहे हमलों पर बड़ा एक्शन लिया है। जो भी इन हमले के जिम्मेदार रहे हैं उन पर सबसे तगड़ा एक्शन तेज कर दिया है। दरअसल तारिक रहमान ने हिंदुओं के खिलाफ हिंसा करने और चुनाव के दौरान मारपीट करने वाले नेताओं के खिलाफ बड़ा एक्शन लिया है।

तारिक रहमान ने बांग्लादेश के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ले ली है। उनके साथ 13 और कैबिनेट मंत्रियों ने शपथ ली है। कैबिनेट में दो हिंदू नेताओं को भी शामिल किया गया है। भारत की ओर से शपथ ग्रहण में शामिल होने के लिए लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और विदेश

सचिव विक्रम मिश्री पहुंचे। वहीं बांग्लादेश के पीएम की शपथ लेते ही तारिक रहमान एक्शन में दिखाई दे रहे हैं। तारिक रहमान ने चुनाव से पहले जो वादे किए थे उन पर उन्होंने काम करना भी शुरू कर दिया है। तारिक रहमान का कोई वादा सबसे ज्यादा सुर्खियों में रहा तो वो था बांग्लादेश की कानून व्यवस्था को फिर से पटरी पर लाना और हिंदुओं के खिलाफ होने वाली हिंसा को रोकने के लिए सख्त कानूनी सुरक्षा तंत्र लागू करना।

शपथ लेते ही तारिक रहमान ने हिंदुओं पर हो रहे हमलों पर बड़ा एक्शन लिया है। जो भी इन हमले के जिम्मेदार रहे हैं उन पर सबसे तगड़ा एक्शन तेज कर दिया है। दरअसल तारिक रहमान ने हिंदुओं के खिलाफ हिंसा करने और चुनाव के दौरान मारपीट करने वाले नेताओं के खिलाफ बड़ा एक्शन लिया है। बांग्लादेश के सिराजगंज में अल्पसंख्यकों की दुकानों में तोड़फोड़ और जबरदस्ती वसूली के आरोप में बीएनपी ने तीन नेताओं को कारण बताओ नोटिस दिया है। वोटरों को डराने, धमकाने समेत कई आरोपों में दो और नेताओं को सस्पेंड किया गया है। चुनाव जीतने के बाद से तारिक रहमान की पार्टी ने पार्टी अनुशासन को लेकर कड़ा कदम उठाया है।

प्रवचन से पिच तक... युवाओं को सनातन धर्म से जोड़ने के लिए की अनोखी पहल

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● देवकीनंदन ठाकुर की यह पहल खेल और अध्यात्म को जोड़ने का एक नया प्रयोग है। इंदौर में 12-15 मार्च तक होने वाले इस क्रिकेट टूर्नामेंट में आकर्षक पुरस्कारों के जरिए युवाओं को प्रेरित किया जाएगा, वहीं संतों के मार्गदर्शन से उन्हें संस्कार और जीवन मूल्यों से भी जोड़ा जाएगा। आयोजन का उद्देश्य खेल के साथ चरित्र निर्माण और सनातन धर्म के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।

आध्यात्मिक गुरु देवकीनंदन ठाकुर ने युवाओं को सनातन धर्म से जोड़ने के लिए एक नई और

अनोखी पहल का ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि आज के समय में केवल प्रवचन या कथाओं के माध्यम से ही नहीं, बल्कि युवाओं की रुचि के अनुसार अलग-अलग मंचों के जरिए धर्म का संदेश पहुंचाना जरूरी हो गया है। अब क्रिकेट जैसे लोकप्रिय खेल को भी माध्यम बनाकर बच्चों और युवाओं को धर्म, संस्कार और जीवन मूल्यों से जोड़ने की योजना बनाई गई है। देवकीनंदन ठाकुर ने कहा, 'आज का युवा वर्ग धर्म के रास्ते पर भी चलना चाहता है और साथ ही अपने भविष्य को आर्थिक रूप से सुरक्षित भी देखना चाहता है। इसी संतुलन को ध्यान में रखते हुए इस क्रिकेट आयोजन में आकर्षक इनाम रखे गए हैं। जो टीम इस टूर्नामेंट में विजेता बनेगी, उसे 31 लाख रुपए की पुरस्कार राशि दी जाएगी, जबकि उपविजेता टीम को 15 लाख रुपए मिलेंगे। इसके अलावा, 'मैन ऑफ द सीरीज' को एक कार और सबसे ज्यादा रन बनाने वाले और सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले खिलाड़ी को बाइक दी जाएगी।

बजट 2026 के भाषण में वित्त मंत्री ने 10 बार किया इंदौर का जिक्र

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • मध्य प्रदेश विधानसभा में बुधवार को वित्त मंत्री और उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने वित्त वर्ष 2026-27 का बजट पेश किया। कुल बजट प्रावधान 4 लाख 38 हजार 317 करोड़ रुपये रखा गया है। सरकार ने बजट का फोकस गरीब, युवा, किसान, महिलाएं, इंफ्रास्ट्रक्चर और औद्योगीकरण पर बताया। करीब डेढ़ घंटे के भाषण में मंत्री ने इंदौर का नाम 10 बार लिया, जिससे यह साफ हुआ कि शहर को विकास योजनाओं में प्रमुख स्थान दिया गया है। इंदौर के लिए घोषणाओं का दायरा सड़क, मेट्रो, औद्योगिक निवेश, क्षेत्रीय विकास और हवाई संपर्क तक फैला है। बजट में पहले से चल रही परियोजनाओं की प्रगति के साथ नई प्रशासनिक और नीतिगत संरचनाओं को भी रेखांकित किया गया।

बजट भाषण में औद्योगीकरण को प्रदेश के सर्वांगीण विकास का प्रमुख साधन बताया गया। मंत्री के अनुसार 19,300 एकड़ भूमि पर 48 औद्योगिक पार्क विकसित करने की प्रक्रिया चल रही है। इनमें 5 आईटी पार्क, इंदौर का प्लग एंड प्ले पार्क और मंडीदीप का फ्लैटेड इंडस्ट्रीज एवं कमर्शियल कॉम्प्लेक्स विकासाधीन हैं। इंदौर के लिए सबसे अहम औद्योगिक घोषणा 2,360 करोड़ रुपये लागत की इंदौर-पीथमपुर इकॉनोमिक कॉरिडोर परियोजना रही। सरकार का कहना है कि इस परियोजना का उद्देश्य उद्योग, लॉजिस्टिक्स और निवेश को गति देना है, जिससे क्षेत्रीय रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे।

वित्त मंत्री ने सदन को बताया कि भोपाल और इंदौर में मेट्रो रेल का संचालन शुरू हो चुका है। शहरी सार्वजनिक परिवहन में स्वच्छ ऊर्जा के लिए पीएम ई-बस सेवा के तहत 972 इलेक्ट्रिक बसों की स्वीकृति दी गई है।

परिवहन और सड़क ढांचे पर जोर

वित्त मंत्री ने कहा कि प्रदेश में कई बड़े पुल और एलिवेटेड कॉरिडोर परियोजनाएं निर्माणाधीन हैं। इनमें इंदौर का एलिवेटेड कॉरिडोर भी शामिल है। इसके साथ प्रदेश स्तर पर 111 रेलवे ओवर ब्रिज, अटेर-जैतपुर मार्ग पर चंबल नदी का उच्च स्तरीय पुल, भोपाल और ग्वालियर के एलिवेटेड कॉरिडोर, उज्जैन का फोर लेन एलिवेटेड कॉरिडोर और महाकाल रोप-वे जैसी परियोजनाएं भी सूची में रखी गईं। सिंहस्थ 2028 की तैयारियों के संदर्भ में इंदौर-उज्जैन कनेक्टिविटी को बजट में अलग प्राथमिकता दी गई। सरकार ने बताया कि सिंहस्थ क्षेत्र के लिए कुल 13,851 करोड़ रुपये के कार्य स्वीकृत हैं। इनमें 1,164 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से इंदौर-उज्जैन मार्ग का सिक्स लेन चौड़ीकरण, 1,370 करोड़ रुपये का इंदौर-उज्जैन ग्रीनफील्ड हाईवे और 701 करोड़ रुपये का उज्जैन बायपास शामिल है। वित्तीय वर्ष 2026-27 में इन कार्यों के लिए 3,060 करोड़ रुपये का प्रावधान प्रस्तावित किया गया है।

वादों पर मौन, किसानों-महिलाओं-युवाओं से छल-चौरसिया

मध्य प्रदेश विधानसभा में प्रस्तुत बजट 2026-27 पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता अमित चौरसिया ने कहा कि यह बजट विकास का दस्तावेज़ नहीं, बल्कि जुमलों का पुलिंदा है। भाजपा सरकार ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि उसके लिए चुनावी वादे सिर्फ वोट लेने का माध्यम हैं, निभाने का कोई इरादा नहीं। अमित चौरसिया ने कहा कि नवंबर 2023 के विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा ने किसानों, महिलाओं और युवाओं से जो बड़े-बड़े वादे किए थे, वे इस बजट में पूरी तरह नदारद हैं।

भाजपा के चार प्रमुख वादों पर सरकार ने बजट में कोई स्पष्ट प्रावधान नहीं किया- किसानों को धान का रू्स्क ?3100 प्रति क्विंटल, किसानों को गेहूं का रू्स्क ?2700 प्रति क्विंटल, लाड़ली बहन योजना में ?3000 प्रतिमाह, घरेलू गैस सिलेंडर 450 में। उन्होंने कहा कि इन घोषणाओं को बजट में स्थान न देना इस बात का प्रमाण है कि भाजपा सरकार वादा-खिलाफी को ही अपनी नीति बना चुकी है। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता ने सवाल उठाया कि पिछले बजट में की गई घोषणाओं का क्या हुआ? कितनी योजनाएं धरातल पर उतरीं और कितनी सिर्फ कागजों में सीमित रहीं? वित्त मंत्री ने इसका कोई स्पष्ट विवरण नहीं दिया। अमित चौरसिया ने कहा कि अगले पाँच वर्षों में केंद्र से मिलने वाली करों की हिस्सेदारी में लगभग ?50 हज़ार करोड़ की संभावित कमी पर सरकार की क्या रणनीति है, इसका भी कोई खाका प्रस्तुत नहीं किया गया।

न्यूज ब्रीफ

अंतर सिंह आर्य के इन्दौर आगमन पर किया सम्मान किया

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • विवेकानंद ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रकाश मानावत ने बताया कि कर्मवीर स्वामी विवेकानंद ट्रस्ट इन्दौर ने राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुसूचित जनजाति आयोग भारत सरकार के अंतर सिंह आर्य के एक दिवसीय दौरे पर इन्दौर रेसीडेंसी कोठी में विवेकानंद ट्रस्ट ने शाल श्रीफल एवं विवेकानंद जी का प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मान किया। इस अवसर पर एडवोकेट कैलाश मानावत,मोनिक मालवीय, शंकर पवार, हर्ष राठौड़ ,ट्रस्ट के सचिव आशिष शिंदे आदि ट्रस्ट सदस्य उपस्थित थे।

मुक्तागिरि तीर्थ क्षेत्र में आज होगी भव्य जैनेश्वरी दीक्षाएँ

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • मुक्तागिरि तीर्थ क्षेत्र में आज भव्य जैनेश्वरी दीक्षाएँ होगी। जिसमें 23 एलक, छुल्लक जी की मुनिदीक्षा प्रदान की जाएगी। धर्म समाज प्रचारक राजेश जैन दद्दू ने बताया कि नवाचार्य आचार्य समय सागर जी संसघ के चरणों मे, प्रदेश भर से परम गुरु भक्त जन पहुंच रहे हैं। इंदौर नगर से 11बसो से समाज जन तीर्थ क्षेत्र मुक्तागिरि पहुंच रहे है। हर भक्त एवं शिष्यों की भावना रहती है कि उन्हें पूज्य गुरुदेव के हस्त कमलों से जैनेश्वरी दीक्षा प्राप्त हो इसी स्वप्न को चरितार्थ करने हेतु निर्यापक श्रमण मुनिश्री नियम सागर जी महाराज, निर्यापक श्रमण मुनि श्री अभय सागर जी महाराज, निर्यापक श्रमण मुनि श्री संभव सागर जी महाराज, निर्यापक श्रमण मुनि श्री वीर सागर जी शंका समाधान प्रणेता मुनि श्री प्रमाण सागर महाराज एवं अन्य पूज्य मुनिश्री के उपसंघों से एलक एवं छुल्लक को मुनि दीक्षा ग्रहण हेतु विद्याशिरोमणि नवाचार्य आचार्यश्री समयसागर जी महाराज के चरणों मे मुनि दीक्षा के लिए भेजा गया है।

इंदौर एयरपोर्ट पर बढ़ेंगी सुविधाएं, अप्रैल तक 200 नई सीटें

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • यात्रियों की लगातार बढ़ती संख्या के बीच शहर के देवी अहिल्याबाई होलकर अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट पर सुविधाओं के विस्तार की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। पीक ऑवर्स में बैठने की कमी को लेकर मिल रही शिकायतों के बाद एयरपोर्ट प्रबंधन ने टर्मिनल भवन में 200 अतिरिक्त सीटों की व्यवस्था करने का निर्णय लिया है। यह नई व्यवस्था अप्रैल 2026 तक शुरू कर दी जाएगी। प्रबंधन ने बताया कि अब तक व्यस्त समय में कई यात्रियों को फ्लाइट के इंतजार में खड़े रहना पड़ता था। नई सीटिंग व्यवस्था लागू होने के बाद यात्रियों को अधिक आरामदायक और व्यवस्थित प्रतीक्षा क्षेत्र मिलेगा। प्रबंधन का कहना है कि यात्रियों की सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता है और भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए विस्तार कार्य किया जा रहा है। पुराने टर्मिनल भवन का रिनोवेशन कार्य अंतिम चरण में है।

यात्री क्षमता में बड़ा इजाफा

नई व्यवस्थाओं के लागू होने के बाद एयरपोर्ट की वार्षिक यात्री क्षमता 55 लाख से अधिक हो जाएगी। फिलहाल यहां से करीब 40 लाख यात्री प्रतिवर्ष सफर कर रहे हैं। एयरपोर्ट प्रबंधन का मानना है कि सीटिग विस्तार और अलग एटीआर टर्मिनल शुरू होने से न केवल भीड़ का दबाव कम होगा, बल्कि यात्रियों को बेहतर और सुगम यात्रा का अनुभव भी मिलेगा।

मल्हारगंज मेट्रो स्टेशन और रानी सराय बावड़ी को लेकर विरोध तेज

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • शहर में मेट्रो निर्माण कार्य को लेकर विरोध के स्वर तेज हो गए हैं। बुधवार शाम मल्हारगंज थाने के पास प्रस्तावित छोटा गणपति मेट्रो स्टेशन के विरोध में स्थानीय रहवासियों, व्यापारियों, जनहित पार्टी और विभिन्न पर्यावरण प्रेमी संस्थाओं ने संयुक्त रूप से प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में जनहित पर्यावरण मंच, इंदौर पर्यावरण प्रेमी नागरिक, जीवन प्रवाह, खंडेलवाल सभा सहित कई संगठनों ने भाग लिया।

प्रदर्शनकारियों का कहना है कि विकास के नाम पर पर्यावरण और स्थानीय निवासियों के हितों की अनदेखी की जा रही है। प्रस्तावित स्टेशन निर्माण से क्षेत्र के दो बगीचे, जिनमें 80 से अधिक पेड़ हैं, नष्ट हो जाएंगे। ये बगीचे बच्चों के खेलने और रहवासियों के लिए हरियाली का प्रमुख स्थान हैं। साथ ही 44 स्थानीय परिवारों के घर प्रभावित होने की आशंका जताई गई है। प्रदर्शनकारियों ने यह भी कहा कि समीप स्थित प्राचीन बावड़ी, मंदिर और एमटी क्लॉथ मार्केट पर भी इसका असर पड़ेगा तथा महात्मा गांधी मार्ग का यातायात बाधित होकर मध्य क्षेत्र में ट्रैफिक व्यवस्था चरमरा सकती है। स्थानीय लोगों ने बताया कि पूर्व में मंत्री कैलाश विजयवर्गीय द्वारा स्टेशन को सुभाष मार्ग पर शिफ्ट करने की घोषणा की गई थी और सर्वे भी हुआ था, इसके बावजूद वर्तमान स्थान पर कार्य पुन: शुरू कर दिया गया है।

हाई कोर्ट के आदेश का हवाला देकर काम रुकवाया-इधर, रानी सराय स्थित परिसर की प्राचीन बावड़ी को मिट्टी डालकर भरने के प्रयास के विरोध में भी जनहित पर्यावरण मंच ने प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं का आरोप है कि बिना अनुमति जलस्त्रोत को नष्ट किया जा रहा है। मौके पर पहुंचे कार्यकर्ताओं ने हाई कोर्ट के आदेश का हवाला देते हुए काम रुकवाया। कार्यकर्ताओं ने इस संबंध में छोटी ग्वालटोली थाने में आवेदन भी सौंपा।

सफाई में लापरवाही, सीएसआई और दरोगा का कटेगा वेतन

निगमायुक्त क्षितिज सिंघल ने किया तीन जोन का निरीक्षण

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • निगमायुक्त क्षितिज सिघल ने बुधवार सुबह औचक निरीक्षण कर स्वच्छता और नाला टैपिग कार्यों की जमीनी हकीकत परखी। निरीक्षण के दौरान राजीव गांधी चौराहा, चोइथराम मंडी, गुरुनानक कॉलोनी, माणिकबाग रोड और लालबाग क्षेत्र का भ्रमण कर नाला टैपिग, नाला सफाई, आउटफॉल पॉइंट्स और समग्र सफाई व्यवस्था का जायजा लिया।

संतोषजनक नहीं मिली सफाई व्यवस्था- **राजीव गांधी**-चौराहा से चोइथराम मंडी और माणिकबाग क्षेत्र में निरीक्षण के दौरान रिदम गार्डन और चोइथराम मंडी क्षेत्र की सफाई व्यवस्था संतोषजनक नहीं पाई गई। लापरवाही सामने आने पर क्षेत्रीय सीएसआई अभिषेक तिवारी का तीन दिन का वेतन काटने के

निर्देश दिए गए। साथ ही वार्ड 78 के दरोगा दयाराम तेजी और वार्ड 74 के दरोगा केश गौहर को कड़ी फटकार लगाते हुए तीन-तीन दिन का वेतन काटने के आदेश जारी किए गए। जोन 12 में भी सफाई व्यवस्था कमजोर मिलने पर सीएसआई राजकुमार यादव पर नाराजगी व्यक्त करते हुए विभागीय जांच के आदेश दिए गए।

स्पष्ट संदेश : स्वच्छता से समझौता नहीं-सिघल ने दो टूक कहा कि शहर की स्वच्छता और जल निकासी व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने चोइथराम मंडी और लालबाग क्षेत्र में ओपन सीवरेज आउटफॉल को बंद करने निर्देश दिए। साथ ही कहा कि वर्षा ऋतु से पहले सभी नालों की गहन सफाई, सिल्ट हटाने की कार्रवाई और आउटफॉल पॉइंट्स की सतत निगरानी की जाए, ताकि जलभराव और प्रदूषण की स्थिति उत्पन्न न हो।

महिलाओं को नि :शुल्क ड्राइविंग सिखाकर रोजगार से जोड़ा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • शहर में नि:शुल्क ड्राइविंग प्रशिक्षण योजना की 14वीं बैच पूरी हुई, जिसमें 40 महिलाओं को प्रशिक्षित कर प्रमाणित ड्राइवर बनाया गया। अब तक 509 महिलाएं इस योजना से लाभान्वित हो चुकी हैं और कई महिलाएं ई-रिक्शा चलाकर आत्मनिर्भर बन रही हैं। महिला सशक्तिकरण की दिशा में इंदौर में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि दर्ज की गई है। निर्धन और निम्न आय वर्ग की महिलाओं के लिए संचालित नि:शुल्क ड्राइविंग प्रशिक्षण योजना की 14वीं बैच सफलतापूर्वक पूर्ण हो गई। इस बैच में 40 महिलाओं को प्रशिक्षण देकर प्रमाणित ड्राइवर बनाया गया। परिवहन विभाग और नंदानगर स्थित आईटीआई के संयुक्त प्रयास से संचालित की जा रही है। अब तक कुल 509 महिलाएं इस प्रशिक्षण का लाभ ले चुकी हैं। पहले 13 बैचों में 469 महिलाओं को प्रशिक्षित किया गया था, जबकि 14वीं बैच के साथ यह संख्या 500 के पार पहुंच गई है। एआरटीओ अर्चना मिश्रा ने बताया कि रोजगार संकट को ध्यान में रखते हुए यह पहल शुरू की गई थी। निम्न आय वर्ग की महिलाओं के लिए यह योजना नई उम्मीद बनकर सामने आई है। कई महिलाएं अब ई-रिक्शा चलाकर परिवार की आर्थिक जिम्मेदारी संभाल रही हैं। प्रशिक्षण पूर्ण होने के बाद प्रमाण पत्र वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें आरटीओ प्रदीप शर्मा, आईटीआई के प्रभारी अधिकारी निखिल पंडित, संयुक्त संचालक कौशल विकास सतीश मोरे और प्राचार्य श्रीमती रीना सोलंकी द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

नोवा आईवीएफ द्वारा प्रदेश में पहली बार एक बच्ची को थैलेसेमिया से बचाया

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • नोवा आई.वी.एफ, इंदौर के फर्टिलिटी एक्सपर्ट्स ने मेडिकल इतिहास में एक प्रेरक और दुर्लभ उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने आई.वी.एफ और एम्ब्रियो सलेक्शन द्वारा एक बच्ची का जन्म कराया, ताकि उसकी बहन को थैलेसेमिया से बचाया जा सके। कायरा को जन्म से ही थैलेसेमिया मेजरथा। यह खून का एक जेनेटिक विकार होता है, जिसके लिए आजीवन बार-बार खून बदलने की जरूरत पड़ती है। लेकिन बोन मैरो ट्रांसप्लांट की मदद से थैलेसेमिया को ठीक किया जा सकता है, जिसके लिए नोवा आई.वी.एफ फर्टिलिटी, इंदौर के विशेषज्ञों ने उसकी छोटी बहन युविका का जन्म कराया। सेवियर सिबलिंग वह स्वस्थ बच्चा होता है, जिसे जेनेटिक जांच की मदद से इस तरह जन्म दिया जाता है कि वह अपने बीमार भाई या बहन के इलाज में मदद कर सके। इन दोनों बच्चियों, कायरा और युविका के माता-पिता, श्री मनीष पटेल और श्रीमती स्नेहा पटेल हैं। कायरा की उम्र आठ साल है। जब उसकी थैलेसेमिया बीमारी की पहचान हुई, तब वह केवल 45 दिन की थी। उसके बाद हर तीन से चार हफ्ते में उसे खून चढ़ाया जाता था। इस बच्ची को बीमारी से बचाने का एकमात्र तरीका किसी मैचिंग वाले डोनर का बोन मैरो लेकर उसे ट्रांसप्लांट करना था। लेकिन उसके परिवार और डोनर रजिस्ट्री में कोई भी मैचिंग डोनर नहीं मिला। भारत में इस तरह के पहले मामले का समाधान नोवा आई.वी.एफ फर्टिलिटी ने किया था।

करोड़ों रुपए बचाने वाला निगम का पॉलीहाउस प्रोजेक्ट ठंडे बस्ते में, मेघदूत गार्डन में बनाई जानी थी आधुनिक नर्सरी

कश्मीरी लिली फ्लावर इंदौर में उगाने का सपना अधूरा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • हरियाली और पौधरोपण का रिकॉर्ड बनाने वाला इंदौर नगर निगम आज खुद की आधुनिक नर्सरी बनाने के अपने ही संकल्प को पूरा नहीं कर पाया है। कश्मीर की खूबसूरत लिली से लेकर देश के विभिन्न राज्यों की दुर्लभप्रजातियों को इंदौर की मिट्टी में विकसित करने का महत्वाकांक्षी पॉलीहाउस प्रोजेक्ट अधूरा पड़ा है। बता दें कि नगर निगम ने एक दिन में 12 लाख पौधे रोपकर विश्व रिकॉर्ड बनाया था और हर वर्ष लाखों पौधे शहर में लगाए जा रहे हैं। इसके बावजूद सामान्य दिनों में पौधों की आवश्यकता पूरी करने के लिए करोड़ों रुपए के पौधे निजी नर्सरियों से खरीदे जा रहे हैं। यदि निगम की अपनी पॉलीहाउस नर्सरी तैयार होती तो निगम स्वयं पौधे तैयार कर करोड़ रुपए बचा सकता था।

2023 में बनी थी योजना, आगे नहीं बढ़ा काम साल 2023 में तत्कालीन निगमायुक्त प्रतिभा पाल के कार्यकाल में पौधों की

पौधों की खरीदी पर निगम का खर्च

1. वानिकी पौधे - 15 करोड़ (वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने के लिए)
2. फलदार पौधे - 5 करोड़
3. फूल और सजावटी पौधे - 6 करोड़

खरीदी में कमीशनखोरी और अनियमितताओं को रोकने के उद्देश्य से उद्यान विभाग ने आधुनिक पॉलीहाउस नर्सरी स्थापित करने का निर्णय लिया था। इस परियोजना पर लगभग एक करोड़ रुपए खर्च होने का अनुमान था।

मेघदूत गार्डन में बनाई जानी थी नर्सरी

नर्सरी के लिए मेघदूत गार्डन परिसर में स्थान चिह्नित कर बुनियादी ढांचा भी तैयार किया गया, लेकिन इसके बाद निर्माण कार्य आगे नहीं बढ़ सका। परियोजना के अनुसार इस नर्सरी में कश्मीर में विकसित होने वाली लिली फ्लावर प्रजाति के पौधे तैयार किए जाने थे, साथ ही असम, मेघालय और उत्तराखंड की विशेष पौध प्रजातियों को भी विकसित करने की योजना थी।

सवाल वही... रिकॉर्ड या आत्मनिर्भरता?

शहर पौधरोपण के रिकॉर्ड बना रहा है, दूसरी ओर अपनी ही नर्सरी का सपना अधूरा है। यदि पॉलीहाउस नर्सरी साकार होती है तो इंदौर न केवल आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकता है, बल्कि कश्मीरी लिली और अन्य दुर्लभ प्रजातियों से अपनी हरियाली को नई पहचान भी दे सकता है।

लोटस सरोवर और आकर्षक ग्रीन स्पॉट बनाए जाने थे-प्रोजेक्ट में शहर के चुनिदा स्थानों पर छोटे-छोटे लोटस फ्लावर सरोवर विकसित करने का प्रावधान भी शामिल था। इन पॉण्ड में विशेष पौधे लगाकर सुंदर और आकर्षक ग्रीन स्पॉट तैयार किए जाने थे, जिससे शहर की सौंदर्य वृद्धि के साथ पर्यटन को भी बढ़ावा मिल सकता था।

अब बाहरी राज्यों पर निर्भरता-वर्तमान में बड़े स्तर पर पौधरोपण अभियानों के कारण वानिकी पौधों की भारी मांग है। वन विभाग भी पूरी आपूर्ति नहीं कर पा रहा, जिससे नगर निगम को महाराष्ट्र, तमिलनाडु व यूपी की नर्सरियों से पौधे मंगवाने पड़ रहे हैं। इससे लागत भी बढ़ रही है। समय पर आपूर्ति की चुनौती भी बनी रहती है।

सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा संपन्न

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • दिव्य शक्तिपीठ परिसर, रेडिसन चौराहे के समीप आयोजित सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का सर्वकल्याण की कामना के साथ भव्य समापन हुआ। कथा के समापन अवसर पर विधिवत हवन-यज्ञ एवं विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ प्राप्त किया। कथा व्यास परम पूज्य संत प्रवर श्री मदनमोहन दास जी महाराज ने अपने उद्बोधन में कहा कि आत्मा को जन्म-मृत्यु के बंधन से मुक्त करने हेतु भक्ति मार्ग से जुड़कर सत्कर्म करना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि हवन-यज्ञ से वातावरण एवं वायुमंडल की शुद्धि होती है, जिससे व्यक्ति को आत्मिक शक्ति और सकारात्मक ऊर्जा प्राप्त होती है। इस अवसर पर डॉ. निशांत खरे ने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि जीवन को दिशा देने वाली आध्यात्मिक चेतना है। भागवत कथा मनुष्य को सत्य, धर्म, सेवा, सदाचार और मानवता के मार्ग पर अग्रसर होने की प्रेरणा देती है।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत

इंदौर, गुरुवार 19 फरवरी 2026

न्यूज ब्रीफ

गोस्वामी श्री 108 श्री दिव्येशकुमार महाराजश्री का हुआ अभिनंदन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • पुष्टिमार्ग की पावन परंपरा के प्रतिष्ठित आचार्य गोस्वामी श्री 108 श्री दिव्येशकुमार महाराजश्री का इंदौर में गरिमामय एवं भावपूर्ण समारोह में अभिनंदन किया। कार्यक्रम श्रद्धा, भक्ति और उत्साह से सराबोर रहा, जहाँ बड़ी संख्या में वैष्णवजन एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। समारोह में आचार्यश्री द्वारा ठाकुरजी की सेवा, वैष्णव भावनाओं के संवर्धन तथा समाज में संस्कारों के प्रसार हेतु किए जा रहे कार्यों की सराहना की गई। विशेष रूप से पखावज वादन एवं कीर्तन-सेवा के माध्यम से उन्होंने भक्ति की मधुर धारा प्रवाहित कर अनेक श्रद्धालुओं के हृदय में श्रीकृष्ण प्रेम जागृत किया है। इंदौर के महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने उन्हें सम्मानित करते हुए कहा कि आचार्यश्री का योगदान पुष्टिमार्ग की महिमा को और अधिक उज्ज्वल बना रहा है तथा समाज को सशक्त आध्यात्मिक दिशा प्रदान कर रहा है।

विशेष गहन पुनरीक्षण में उत्कृष्ट कार्य हेतु विकासखंड समन्वयक प्रवेश शर्मा सम्मानित

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद, विकासखंड इंदौर के विकासखंड समन्वयक प्रवेश शर्मा को विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य में उत्कृष्ट एवं सराहनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 207, इंदौर-04 के भाग संख्या 114 में विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान शर्मा द्वारा किए गए समर्पित एवं प्रभावी कार्य के फलस्वरूप निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 207 इंदौर-04 नीरज खरे द्वारा उन्हें प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर परिषद के उपाध्यक्ष (राज्यमंत्री दर्जा) माननीय मोहन नागर, कार्यपालक निदेशक डॉ. बकुल जी लाड़, परिषद के समस्त पदाधिकारीगण, साथीजन तथा ईस्ट मित्रों द्वारा श्री शर्मा को हार्दिक बधाइयाँ एवं शुभकामनाएँ प्रेषित की गईं। सभी ने उनके कार्य की सराहना करते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार उत्कृष्ट सेवाएँ प्रदान करने की अपेक्षा व्यक्त की।

4 साल में 2947 मामलों में लोकायुक्त का एक्शन 1379 भ्रष्ट अधिकारी-कर्मचारी के खिलाफ जांच

भोपाल (एजेंसी) • लोकायुक्त में बीते चार वर्षों में मध्यप्रदेश के 1379 अधिकारी-कर्मचारियों के विरुद्ध जांचें चल रही हैं। जांच के दायरे में आए मामलों में 20.97 करोड़ रुपए की वसूली किए जाने के बावजूद 134 प्रकरण अभियोजन स्वीकृति में लंबित हैं। वहीं 39 प्रकरणों में चालानी कार्रवाई की गई है और 208 प्रकरणों में न्यायालय में चालान पेश किए जा चुके हैं। यह जानकारी कांग्रेस विधायक भंवर सिंह शेखावत के सवाल के लिखित जवाब में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दी। उन्होंने बताया कि लोकायुक्त संगठन में वर्ष 2022-23 से अब तक 1884 शिकायतें दर्ज हुई हैं, जबकि विशेष पुलिस स्थापना में 1063 आपराधिक प्रकरण पंजीबद्ध किए हैं।

इन मामलों में शिकायत एवं जांच शाखा तथा तकनीकी शाखा द्वारा इसी अवधि में 1592 जांच पूरी कर प्रकरणों का निराकरण किया है। वर्तमान में शिकायत एवं जांच शाखा में 1291 तथा तकनीकी शाखा में 88, कुल 1379 प्रकरण जांच के दायरे में हैं।

134 केस अभियोजन स्वीकृति में लंबित

लोकायुक्त संगठन की विशेष पुलिस स्थापना द्वारा पंजीबद्ध 1063 आपराधिक प्रकरणों में से 393 प्रकरणों की विवेचना पूरी की जा चुकी है। इनमें 134 प्रकरण अभियोजन स्वीकृति में लंबित हैं। वहीं 39 प्रकरणों में चालानी कार्रवाई की गई है और 208 प्रकरणों में न्यायालय में चालान पेश किए हैं। इसके अतिरिक्त 12 प्रकरणों में न्यायालय में खात्मा पेश किया है, जिनमें आरोपी की मृत्यु अथवा प्रकरण के उन्मोचित होने का आधार रहा। शेष 670 प्रकरण वर्तमान में विवेचनाधीन हैं।

153 मामलों में अनुशासनात्मक कार्रवाई

जवाब में यह भी बताया गया कि कुल जांच किए गए मामलों में शिकायत एवं जांच शाखा के 146 तथा तकनीकी शाखा के 7, कुल 153 प्रकरणों में अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई है। साथ ही शिकायत एवं जांच के आधार पर 20 करोड़ 97 लाख 17 हजार 905 रुपए की वसूली की गई है। लोकायुक्त संगठन की विशेष पुलिस स्थापना द्वारा न्यायालय में पेश किए गए 208 चालानों में से 7 प्रकरणों में आरोपियों के विरुद्ध दोष सिद्ध हुआ है। इन मामलों में संबंधित आरोपियों के खिलाफ सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र क्रमांक ए-6-2/98/3/1 दिनांक 26 मई 1998 के अनुसार अनुशासनात्मक कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

कांग्रेस विधायक ने पूछा था यह सवाल

कांग्रेस विधायक भंवर सिंह शेखावत ने विधानसभा के माध्यम से राज्य सरकार से पूछा था कि वर्ष 2022-23 से वर्तमान तक लोकायुक्त संगठन में कुल कितने प्रकरण प्राप्त हुए, कितने प्रकरणों का निराकरण किया गया और कितने वर्तमान में लंबित हैं। साथ ही कितने प्रकरणों में दोष सिद्ध हुआ, उनके विरुद्ध क्या कार्रवाई प्रस्तावित की गई तथा लंबित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के लिए शासन द्वारा क्या कार्ययोजना और समय-सीमा निर्धारित की गई है।

बजट समावेशी विकास और समृद्ध की दिशा में बढ़ता प्रदेश की देवतुल्य जनता को समर्पित बजट -दुबे

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता आलोक दुबे ने कहा मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा द्वारा प्रस्तुत किया गया बजट युवाओं, किसानों, व्यापारियों, गरीब मजदूर के समग्र विकास का बजट है। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव के मार्गदर्शन में वित्तमंत्री जगदीश देवड़ा द्वारा प्रस्तुत 4,38,317 करोड़ रुपये का यह बजट ऐतिहासिक है और अब तक का सबसे बड़ा बजट है, जो प्रदेश के समग्र विकास की दिशा में एक मजबूत कदम है। बजट में गौशालाओं के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं तथा 1 लाख सोलर पंप किसानों को देने की तैयारी की गई है प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए 1 लाख हेक्टेयर क्षेत्र का लक्ष्य रखा गया है और फसल बीमा के लिए 1,300 करोड़ का प्रावधान किया गया है। ग्रामीण क्षेत्रों के विकास हेतु मजरे-टोले की सड़कों के लिए 21,000 करोड़ से अधिक की राशि दी गई है। शिक्षा के क्षेत्र में 294 नए विद्यालय स्थापित करने की तैयारी है, जिससे प्रदेश में शैक्षणिक ढांचे को सुदृढ़ किया जाएगा।वीबीजी रामजी योजना के लिए 10,000 करोड़ से अधिक की राशि का प्रावधान किया गया है। अब गांवों को खुद निर्णय का अधिकार केन्द्र और राज्य सरकार दे रही है। इसके साथ ही 472 नई ई-बस सेवाओं की शुरुआत कर शहरी परिवहन व्यवस्था को सुदृढ़ किया जाएगा?। यह बजट वर्ष 2047 तक विकसित प्रदेश के विजन को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है और यह हर वर्ग को सशक्त बनाने वाला संतुलित, समावेशी एवं विकासोन्मुख बजट है।

सांवेर • ग्राम सुला खेड़ी मांगलिया में भगवान भोलेनाथ का विशाल चल समारोह बैंड बाजा बागी घोड़ा के साथ बाबा भोलेनाथ की भव्य बारात निकाली गई जिसमें गांव के सैकड़ो महिला पुरुष शामिल हुए। इस अवसर पर समस्त ग्राम वासियों को भगवान भोलेनाथ का प्रसाद वितरण किया गया।

मीडिया कर्मियों की संगीत संध्या 1 मार्च को प्रेस क्लब में

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर •हमारे मार्गदर्शक अरविंद तिवारीकी प्रेरणा से अध्यक्ष दीपक कर्दम के मार्गदर्शन में पहली बार 1 मार्च रविवार शाम 6:00 बजे से राजेंद्र माथुर सभागृह प्रेस क्लब इंदौर में मीडिया कर्मियों की संगीत संध्या का आयोजन किया जा रहा है। कराओके पर आयोजित होने वाली इस संगीत संध्या में भाग लेने के लिए मीडिया बन्धु अपना नाम और अपना गीत व्हाट्सएप के माध्यम से 25 फरवरी तक दे सकते हैं। कार्यक्रम के पूर्व दो बार प्रेस क्लब में ही रिहर्सल कराई जाएगी।

सम्पर्क - प्रदीप जोशी महासचिव, प्रमोद दीक्षित कार्यकरिणी सदस्य **आयोजन समिति**- दीपक कर्दम अध्यक्ष, संजय त्रिपाठी वरिष्ठ उपाध्यक्ष, सुश्री प्रियंका पांडे उपाध्यक्ष, अभिषेक चेन्डके सचिव, मुकेश तिवारी कोषाध्यक्ष, कार्यकरिणी सदस्य- मनीष मक्खर, अभय तिवारी, अंशुल मुकाती, श्याम कामले, विजय भट्ट, पूनम शर्मा महिला प्रतिनिधि नाम और गीत लिखकर श्रीअशोक गौड़ को 25 फरवरी तक देना है। उक्त जानकारी के बाद ही प्रस्तुति सूची में नाम शामिल किया जाएगा।

अग्रवाल कुटुम्ब से जुड़े 251 नए सदस्य, 1 अप्रैल को विधिवत शुभारम्भ का संकल्प

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • अग्रवाल समाज में अग्रवाल कुटुम्ब के नाम से गठित युवाओं की संस्था ने 1100 सदस्यों का परिवार स्थापित करने के अपने लक्ष्य के मुकाबले प्रथम चरण में 251 सदस्य बना लिए हैं। बुधवार को खजराना गणेश मंदिर एवं कुलदेवी महालक्ष्मी की साक्षी में 1 अप्रैल तक संगठन से 1100 युवाओं को जोड़ने का संकल्प लिया गया। यह अभियान चार चरणों में पूरा होगा, तब संगठन का विधिवत स्थापना दिवस मनाकर काम शुरू कर दिया जाएगा। बुधवार को इन सभी 251 सदस्यता प्रपत्रों की खजराना गणेश मंदिर एवं कुलदेवी महालक्ष्मी की साक्षी में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजा

कराई गई। ग्रुप की ओर से संजय बांकडा, राजेश मित्तल मालवा मिल, अरविन्द अग्रवाल वेल्यूअर, मनोज अग्रवाल अन्नपूर्णा एवं रितेश मित्तल बारदान ने बताया कि अगले चरण में 28 फरवरी तक और नए 251 सदस्य बनाने का संकल्प किया गया है। इसके पश्चात 15 मार्च तक फिर 251 तथा अंतिम चरण में 31 मार्च तक 347 नए सदस्य बनाने और उन्हें अग्रवाल कुटुम्ब सेवा समिति से जोड़ने का संकल्प लिया गया है। इस तरह आगामी 1 अप्रैल से अग्रवाल कुटुम्ब का विधिवत गठन कर उस दिन स्थापना दिवस भी मनाने का निर्णय लिया गया है। 1 अप्रैल को स्थापना दिवस के साथ ही अग्रवाल कुटुम्ब से जुड़े सभी सदस्य आपस में एकदूसरे के सुख दु:ख में शामिल होने के अलावा कारोबारी रिश्तों के साथ ही पारिवारिक और सामाजिक स्तर पर भी मेलजोल बढ़ाकर अग्रवाल कुटुम्ब के नाम को सार्थक बनाने का संकल्प भी आज खजराना गणेश एवं कुलदेवी महालक्ष्मी की साक्षी में लिया गया है।

इंदौर • नगर निगम ने कान्ह नदी सौंदर्यीकरण प्रोजेक्ट के चलते शिवाजी मार्केट की 126 दुकानों के आवंटन ना सिर्फ निरस्त किए, बल्कि बेदखली के नोटिस भी जारी कर दिए हैं, जिसमें 15 दिन में दुकान खाली कर कब्जा सौंपने को कहा गया है और इस मामले में हाईकोर्ट सहित जिला और सत्र न्यायालय में भी कैविएट दायर कर दी गई है।

मुंबई सेंट्रल-इंदौर तेजस स्पेशल ट्रेन के फेरे बढ़ाए

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन •यात्रियों की मांग एवं सुविधा को ध्यान में रखकर मुंबई सेंट्रल से इंदौर के बीच चलाई जाने वाली मुंबई सेंट्रल इंदौर तेजस सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन के फेरे बढ़ाए हैं। पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल के पीआरओ मुकेश कुमार के अनुसार ट्रेन नंबर 09085 मुंबई सेंट्रल इंदौर तेजस स्पेशल, जिसका अंतिम फेरा 27 फरवरी तक तय है, 27 मार्च तक मुंबई सेंट्रल से चलेगी। इसी प्रकार ट्रेन नंबर 09086 इंदौर मुंबई सेंट्रल तेजस स्पेशल, जिसका अंतिम फेरा 28 फरवरी तय है, 28 मार्च तक इंदौर से चलेगी। यह ट्रेन पूर्व निर्धारित मार्ग, कोच कंपोजिशन, दिन एवं ठहराव के साथ ही चलेगी। इनमें कोई बदलाव नहीं किया गया है।

क्षत्रिय मराठा नव निर्माण सेना ने छत्रपति शिवाजी महाराज प्रतिमा स्थल को दीपों से किया जगमग हुई आतिशबाजी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर •छत्रपति शिवाजी महाराज की 396 वीं जयंती पर क्षत्रिय मराठा नवनिर्माण सेना द्वारा तीन दिवसीय महोत्सव के दूसरे दिन दीप प्रज्वलन,आतिशबाजी हुई गुरुवार को शौर्य यात्रा निकलेगी। प्रदेश अध्यक्ष चंद्रकांत कुंजीर, मिलिंद दिघे और स्वाति मोहिते, संदीप खरनाल ने बताया कि क्षत्रिय मराठा नवनिर्माण सेना द्वारा आयोजित तीन दिवसीय महोत्सव के दूसरे दिन जयंती की पूर्व संध्या पर प्रतिमा स्थल को दीपों से

जगमग किया गया भव्य आतिशबाजी हुई। 19 फरवरी को सुबह 8:30 बजे सांई मंदिर लव कुश आवास विहार सुखलिया से शौर्य रैली निकलेगी, जिसमें हजारों समाजजन वाहनों पर सवार होकर प्रतिमा स्थल पहुंचेंगे। इस अवसर पर मुख्य रूप से चंद्रकांत कुंजीर, करण कुंजीर, मिलिंद दिघे,राज जाधव,सुनील खंडागले,संदीप खरनाल,रवि खरनाल, श्याम सुंदर शर्मा, मनीष जाधव, नारायण खंडागले, संतोष पवार, अंकुश भोसले, रमेश जी खेड़े, सौ स्वाति मोहिते, सौ लवली जाधव,निहारिका कुंजोर, श्रीमती गोदावरी मोटवानी, रिया कुंजीर,मिष्टी पवैया,सौ रेखा पवार, श्रीमती रुकमणी शर्मा गणेश राव सहित अन्य मौजूद थे।

सांध्य दैनिक इंदौर संकेत

आपकी बात, इंदौर संकेत के साथ

डिजिटल रूप से लाखों पाठकों के साथ अपना नियमित संपर्क बनाते हुए दैनिक इंदौर संकेत अब एक नई ऊंचाइयों को छू रहा है। आप भी अपने संस्थान, उत्पाद, संस्था का प्रचार-प्रसार दैनिक इंदौर संकेत के माध्यम से सकते हैं। इसके तहत आप चाहे प्रापर्टी व्यवसाय से जुड़े हैं या कोई बधाई संदेश देना है या जन्मदिन की शुभकामनाएं हो या कोई अन्य कैटेगरी में विज्ञापन देना चाहते हैं तो न्यूनतम दर पर प्रकाशित करने के लिए संपर्क कर सकते हैं। दैनिक इंदौर संकेत संवेदनापूर्ण संदेशों को लेकर अत्यंत संवेदनशील है। इसीलिए इस समाचार पत्र में शोक संदेश नि:शुल्क प्रकाशित किए जाएंगे।

कार्यालय का पता

5/6, राज मोहल्ला, महेश नगर,
गुरुद्वारे के सामने, इंदौर
संपर्क: 94250-64357, 94245-83000

सम्पादकीय

फ्रांस से 'विशेष वैश्विक रणनीतिक साझेदारी', क्या भारत की ताकत अब व्यापार से रक्षा तक बदलेगी समीकरण

नरेंद्र मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के बीच मंगलवार को मुंबई में हुई वार्ता के दौरान बनी सहमति के बाद इक्कीस समझौतों को स्वीकृति दी गई। इस साझेदारी को वैश्विक स्थिरता और रणनीतिक दृष्टिकोण से कई मायनों में महत्त्वपूर्ण माना जा रहा है। बदलते दौर में भू-राजनीतिक उथल-पुथल और अनिश्चितताओं के बीच भारत आर्थिक एवं रणनीतिक स्तर पर सहयोग बढ़ाने के लिए विभिन्न देशों के साथ साझेदारी को और व्यापक बनाने की राह पर आगे बढ़ रहा है। ब्रिटेन, यूरोपीय संघ और अमेरिका के साथ व्यापार समझौतों के बाद भारत ने अब फ्रांस के साथ द्विपक्षीय संबंधों को 'विशेष वैश्विक रणनीतिक साझेदारी' में बदल दिया है। इसके तहत दोनों देशों ने रक्षा, व्यापार और निवेश समेत कई क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने का संकल्प लिया है। नरेंद्र मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के बीच मंगलवार को मुंबई में हुई वार्ता के दौरान बनी सहमति के बाद इक्कीस समझौतों को स्वीकृति दी गई। इस साझेदारी को वैश्विक स्थिरता और रणनीतिक दृष्टिकोण से कई मायनों में महत्त्वपूर्ण माना जा रहा है। इससे न केवल द्विपक्षीय व्यापार और आधुनिक प्रौद्योगिकी के आदान-प्रदान में संभावनाओं के नए द्वार खुलेंगे, बल्कि रक्षा के मोर्चे पर भी भारत की स्थिति मजबूत होगी। पिछले दिनों भारत ने ब्रिटेन और ओमान के साथ व्यापार समझौते किए थे। उसके बाद न्यूजीलैंड और फिर यूरोपीय संघ के साथ मुक्त व्यापार समझौते को अंतिम रूप दिया गया। हाल में भारत और अमेरिका के बीच अंतरिम व्यापार समझौते का एलान किया गया, जिसके परिणामस्वरूप अमेरिका ने भारत पर लगाए गए पचास फीसद शुल्क को घटाकर अठारह फीसद कर दिया। इसमें दोराय नहीं कि अमेरिका की ओर से भारत पर भारी-भरकम शुल्क लगाए जाने के बाद देश का निर्यात कारोबार प्रभावित हुआ। इस संकट से निपटने के लिए भारत ने अपने उत्पादों के वास्ते दुनिया के विभिन्न देशों में वैकल्पिक बाजार तलाशने की हरसंभव कोशिश की तथा व्यापार समझौतों की शक्ल में उसके सफल नतीजे भी सामने आए। अब फ्रांस के साथ विशेष वैश्विक रणनीतिक साझेदारी से भारत के व्यापार, प्रौद्योगिकी और रक्षा क्षेत्र में सशक्तीकरण की संभावनाओं को और बल मिलेगा। भारत और फ्रांस ने परस्पर निवेश को बढ़ावा देने के लिए एक विशेष समझौता किया है, जिससे दोनों देशों के नागरिकों और कंपनियों को अब दोहरा कर नहीं देना पड़ेगा।

जम्मू-कश्मीर का पूर्ण राज्य दर्जा बहाल होने पर क्या लौट पाएगा पुराना रुतबा

जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा 2019 में खत्म कर दिया गया और उसे केंद्र शासित प्रदेश बना दिया गया। तब से जम्मू-कश्मीर के नेताओं ने सड़क से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक केंद्र सरकार से लड़ाई लड़ी है, ताकि इसका पूरा राज्य का दर्जा वापस मिल सके। हालांकि, अभी तक पूरा राज्य का दर्जा नहीं मिला है। इस बीच, पूरे राज्य का दर्जा मिलने की संभावना को लेकर अहम संकेत मिल रहे हैं। केंद्रीय कानून और न्याय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अर्जुन राम मेघवाल ने दोहराया कि इस मामले पर जल्द ही फैसला आ सकता है। उनका यह बयान ऐसे समय में आया है जब घाटी में राजनीतिक दल लंबे समय से पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग कर रहे हैं। कानून मंत्रालय द्वारा आयोजित एक क्षेत्रीय कार्यक्रम में शामिल हुए मेघवाल ने पत्रकारों से बात करते हुए इस मुद्दे को बेहद संवेदनशील बताया था। उन्होंने कहा कि चूंकि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में कहा है कि जम्मू-कश्मीर अपने अधिकार वापस पाएगा, इसलिए ऐसा जरूर होगा। इसे एक प्रक्रिया बताते हुए उन्होंने कहा कि लोगों को इस बारे में जल्द ही फैसला सुनने को मिल सकता है।जम्मू और कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के अनुसार कि राज्य सरकार लगातार केंद्र सरकार के संपर्क रहा है और बातचीत चल रही है। उन्होंने कहा कि जब तक राज्य का दर्जा बहाल नहीं हो जाता, लोग संतुष्ट नहीं होंगे। उन्होंने यह भी माना कि इस प्रोसेस में उम्मीद से ज़्यादा समय लगा है। केंद्रीय मंत्री के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए, उमर अब्दुल्ला ने कहा कि लोग लंबे समय से 'अच्छी खबर' का इंतज़ार कर रहे हैं और उम्मीद है कि इसमें बहुत देर नहीं होगी। उन्होंने कहा कि यह उम्मीद डेढ़ साल से बनी हुई है और सरकार को जल्द ही कोई फैसला लेना चाहिए।

गौरतलब है कि मोदी सरकार ने 5 अगस्त 2019 को जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 को खत्म करने के साथ-साथ प्रदेश का पूर्ण राज्य का दर्जा खत्म करते हुए उसे दो केंद्र शासित प्रदेशों (जम्मू-कश्मीर और लद्दाख) में बांट दिया था। इसके बाद से लगातार जम्मू-कश्मीर का पूर्ण राज्य दर्जा बहाल करने की मांग उठाई जाती रही। अब अगर छह साल बाद जम्मू-कश्मीर का पूर्ण दर्जा बहाल भी कर दिया जाता है तब भी विशेष राज्य वाला पुराना रुतबा हासिल नहीं हो सकेगा?

इसके पूर्व पीएम मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से रविवार को मुलाकात की थी। इसके बाद से चर्चा चल पड़ी

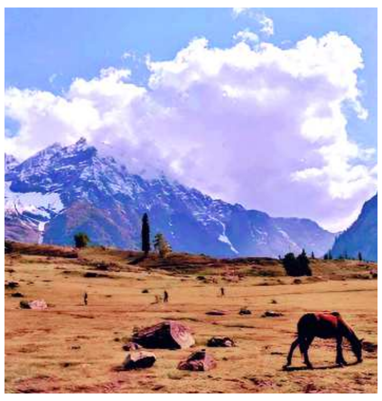

थी कि सरकार कोई बड़ा कदम उठाने जा रही है, लेकिन क्या फैसला लेगी, ये तस्वीर अब तक साफ नहीं थी। 5 अगस्त 2019 को मोदी सरकार ने अनुच्छेद 370 को खत्म कर ऐतिहासिक कदम उठाया था। अब छह साल के बाद क्या फिर जम्मू-कश्मीर से जुड़े मुद्दे पर मोदी सरकार कुछ बड़ा फैसला लेने जा रही है? ऐसे में कयास लगाए जा रहे हैं कि जम्मू-कश्मीर को सरकार फिर से पूर्ण राज्य का दर्जा दे सकती है। दस महीने पहले ही जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा देने के प्रस्ताव को उपराज्यपाल ने मंजूरी दे रखी है और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की कैबिनेट ने प्रस्ताव पास कर उपराज्यपाल के जरिए केंद्र सरकार को भेज रखा है, जिस पर फैसला मोदी सरकार को लेना बाकी है। बताया जाता है कि पूर्ण राज्य के दर्जे के लिए केंद्र सरकार को जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम में बदलाव करने के लिए संसद का रास्ता अपनाना होगा। इसीलिए उमर अब्दुल्ला की अगुवाई वाली सरकार, केंद्र से राज्य के लिए दर्जा बहाली की मांग कर रही है। मोदी सरकार ने जिस तरह से संसद के जरिए धारा 370 को समाप्त किया था और जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 के तहत जम्मू-कश्मीर राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों में पुर्नगठित किया गया था। उसी तरह से सरकार को पूर्ण राज्य के दर्जे के लिए संसद में एक कानून पारित कर पुनर्गठन अधिनियम में बदलाव करना होगा। यह बदलाव संविधान की धारा 3 और 4 के तहत करने होंगे।

जम्मू-कश्मीर का पूर्ण राज्य का दर्जा देने के लिए लोकसभा और राज्यसभा में नए कानूनी बदलावों का अनुमोदन जरूरी होगा, यानी संसद से इस प्रस्ताव को मंजूरी मिलना जरूरी है। मंजूरी के बाद इसे राष्ट्रपति के पास भेजा जाएगा। उनकी मंजूरी के बाद जिस दिन राष्ट्रपति इस कानूनी बदलाव की अधिसूचना जारी करेंगे, उसी तारीख से जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा मिल जाएगा।

जम्मू और कश्मीर एक केंद्र शासित प्रदेश है, जिसका अर्थ है कि इसका प्रशासन सीधे केंद्र सरकार के अधीन है। जम्मू-कश्मीर की अपनी विधानसभा है, लेकिन पूर्ण राज्य की तुलना में उसे कम शक्तियां हासिल हैं। केंद्र शासित प्रदेशों में पुलिस और कानून-व्यवस्था केंद्र सरकार के अधीन रहती है। इसके अलावा जमीन का अधिकार भी केंद्र सरकार के पास होता, जिसे उपराज्यपाल के जरिए सरकार नियंत्रित करती है। उमर अब्दुल्ला लंबे समय से जम्मू कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा देने की मांग कर रहे हैं। इसके अलावा जम्मू-कश्मीर के दूसरे नेता भी लगातार यह मांग उठा रहे हैं।जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा देने का अधिकार पूरी तरह से केंद्र सरकार के पास है। केंद्र की मोदी सरकार भी कह चुकी है कि समय आने पर जम्मू कश्मीर का पूर्ण राज्य दर्जा बहाल कर दिया जाएगा। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह कई मंचों से कह चुके हैं कि उचित समय पर जम्मू-कश्मीर के पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल कर दिया जाएगा, लेकिन यह सार्वजनिक मंच पर नहीं बताया जा सकता कि यह कब होगा। ऐसे में साफ है कि मोदी सरकार जम्मू-कश्मीर का पूर्ण राज्य का दर्जा देने के पक्ष में है, लेकिन समय-सीमा तय नहीं है। हाल ही में पीएम मोदी ने उमर अब्दुल्ला की तारीफ करते हुए कहा था कि जम्मू-कश्मीर और देश के बाकी हिस्सों को पर्यटन के जरिए जोड़ने की यह कोशिश सराहनीय है। पिछले दिनों ऑल जम्मू-कश्मीर शिया एसोसिएशन के अध्यक्ष इमरान रजा अंसारी ने दिल्ली में अमित शाह से मुलाकात की थी। इस दौरान उन्होंने केंद्र शासित प्रदेश के लोगों से जुड़े कुछ जरूरी मुद्दे उठाए। उन्होंने आतंकवाद से प्रभावित परिवारों के पुनर्वास की बात भी कही। इसके चलते अनुमान लगाया जा रहा है कि जम्मू-कश्मीर को लेकर मोदी सरकार कोई बड़ा फैसला ले सकती है।

जम्मू-कश्मीर के राज्य बहाली मोदी सरकार करती है तो फिर कई चीजें बदल जाएंगी। जम्मू-कश्मीर की विधानसभा को पब्लिक ऑर्डर यानी सार्वजनिक व्यवस्था और समवर्ती सूची के मामलों में कानून बनाने के अधिकार मिलेंगे।सरकार कोई वित्तीय बिल पेश करती है तो इसके लिए उसे उपराज्यपाल की मंजूरी लेने की जरूरत नहीं होगी।एंटी करप्शन ब्यूरो और अखिल भारतीय सेवाओं पर राज्य सरकार का पूरा नियंत्रण हो जाएगा यानी राज्य में अधिकारियों के ट्रांसफर और पोस्टिंग राज्य सरकार के हिसाब से होंगे, उस पर उपराज्यपाल का नियंत्रण नहीं रहेगा।

राज्य की बहाली से आर्टिकल 286, 287, 288 और 304 में बदलाव से व्यापार, टैक्स और वाणिज्य के मामलों में राज्य की सरकार को सभी अधिकार हासिल हो जाएंगे। केंद्र शासित प्रदेश में विधायकों की संख्या के 10 फीसदी मंत्री बनाए जा सकते हैं, राज्य का दर्जा बहाल होने से मंत्रियों की संख्या का यह बंधन भी खत्म हो जाएगा और विधायकों की संख्या के 15 फीसदी तक विधायक मंत्री बनाए जा सकेंगे।केंद्र शासित प्रदेशों में पुलिस और कानून-व्यवस्था केंद्र सरकार के अधीन रहती है, लेकिन अगर पूर्ण राज्य का दर्जा मिल जाता है, तो यह जिम्मेदारी पूरी तरह राज्य सरकार के हाथ में आ जाएगी, जिससे राज्य सरकार सीधे कानून व्यवस्था से जुड़े फैसले ले सकेंगे। भूमि और राजस्व से जुड़े मामलों का नियंत्रण केंद्र सरकार के पास होता है, लेकिन जब किसी प्रदेश को पूर्ण राज्य का दर्जा मिलता है, तो यह अधिकार राज्य सरकार के पास चला जाता है। इससे राज्य की स्वायत्तता और स्वतंत्रता में बढ़ोतरी होती है। पूर्ण राज्य बनने पर उपराज्यपाल की भूमिका घट जाती है और राज्यपाल की नियुक्ति होती है, जो मुख्यत: औपचारिक भूमिका निभाते हैं, जैसा कि अन्य राज्यों में होता है।

साथ ही जम्मू-कश्मीर में कुछ ऐसे क्षेत्र हैं, जहां राज्य सरकार की शक्तियां पहले जैसी नहीं लागू हो सकेंगी। जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 के तहत, केंद्र की सरकार को कुछ विशेष शक्तियां प्राप्त हैं, जो राज्य सरकार की शक्तियों को सीमित कर सकती हैं। सुरक्षा और कानून व्यवस्था केंद्र सरकार के अधीन हो सकती है, जिससे राज्य सरकार की शक्तियां सीमित रहेंगी। इसके अलावा राज्य सरकार की वित्तीय शक्तियों पर कुछ प्रतिबंध हो सकते हैं, जैसे कि कुछ वित्तीय निर्णयों के लिए केंद्र सरकार की मंजूरी की आवश्यकता होगी। प्रदेश की कुछ नीतिगत निर्णय जो पहले राज्य सरकार के अधीन थे, अब केंद्र सरकार के अधीन हो सकते हैं, जिससे राज्य सरकार की शक्तियां सीमित हो सकती हैं। इसके अलावा राज्य में पहले विधान परिषद की व्यवस्था थी, जो राज्य सरकार चाहकर भी बहाल नहीं पर पाएगी। इसका फैसला केंद्र सरकार के पास होगा और केंद्र सरकार के फैसले को राज्य सरकार सूबे में लागू करने से नहीं रोक पाएगी। भारतीय संविधान के सभी प्रावधानों को जम्मू-कश्मीर पर लागू करने से राज्य सरकार रोक नहीं पाएगी।

अशोक भाटिया,
वरिष्ठ स्वतंत्र पत्रकार ,
लेखक, समीक्षक एवं टिप्पणीकार

आंचलिक

मंडी में चना 5200 रुपए में बिका समर्थन मूल्य से 600 रुपए कम

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन • जिले की मंडियों में चने की आवक तेज हो गई है, लेकिन अब तक समर्थन मूल्य पर सरकारी खरीदी शुरू नहीं हुई है। किसानों को समर्थन मूल्य से 550 से 600 रुपये प्रति क्विंटल तक कम भाव मिल रहा है, जिससे उन्हें भारी नुकसान हो रहा है। किसानों ने सरकार से जल्द सरकारी खरीदी शुरू करने की मांग की है। सोमवार को खरगोन मंडी में 15 वाहनों से लगभग 250 क्विंटल चना पहुंचा। सरकार ने चने का समर्थन मूल्य 5875 रुपये प्रति क्विंटल तय किया है, जबकि मंडी में इसकी खरीदी 4800 से 5200 रुपये प्रति क्विंटल के भाव पर हो रही है। घुघरियाखेड़ी के किसान मनोहरलाल गुप्ता ने बताया कि उनके चने की नीलामी 5251 रुपये प्रति क्विंटल पर हुई, जो कि समर्थन मूल्य से काफी कम है। किसानों का कहना है कि प्रति एकड़ 5 क्विंटल चने का उत्पादन हो रहा है, लेकिन खेती की बढ़ती लागत के मुकाबले यह भाव बहुत कम है।

मंडी सचिव शर्मिला निनामा ने बताया कि सरकारी खरीदी शुरू करने के लिए शासन के निर्देशों का इंतजार किया जा रहा है। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि फिलहाल 20 फरवरी से मंडी में डॉलर चने की नीलामी शुरू की जा रही है। सेवालाल जयंती महोत्सव के कारण खरगोन मंडी में सोमवार को छुट्टी जैसा माहौल रहा। इस दौरान गेहूं, चना, तुवर, सोयाबीन और मक्का सहित कुल 500 क्विंटल कृषि उत्पादों की आवक दर्ज की गई।

प्रदेश बजट में 15 सड़क और पुल-पुलिया को मंजूरी

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन •मध्यप्रदेश सरकार के बुधवार को पेश बजट में खरगोन जिले को बेहतर यातायात के लिए 250 करोड़ रुपए की मंजूरी मिली है। इसमें 15 सड़क और पुल-पुलिया के निर्माण कार्य शामिल हैं। हालांकि, बजट में जिले के लिए मेडिकल कॉलेज और बटालियन का कोई प्रावधान नहीं किया गया है। बजट में सबसे ज्यादा राशि कांग्रेसी विधायक सचिन यादव के कसरावद विधानसभा क्षेत्र को मिली है, जहां लगभग 140 करोड़ रुपए के विकास कार्य होंगे। जिले में स्वीकृत परियोजनाओं में खरगोन-दामखेड़ा रोड, सनावद-खरगोन रोड पर बेड़िया बाईपास, महेश्वर, नांद्रा, पिपलिया कावड़िया रोड पर पुल, सिप्टान-बिलखेड कुंदा नदी पुल, बमनाला-सेल्दा मेल आश्रम रोड, खरगोन-ठनगांव, नाया उमरिया रोड और खरगोन-मनिहार खेड़ी रोड शामिल हैं। कसरावद विधानसभा क्षेत्र के लिए लगभग 140 करोड़ रुपए मंजूर हुए हैं। इसमें 120 करोड़ रुपए की परियोजनाओं में माकड़खेड़ा-देवला, बोरावा, नागझिरी-घटी रोड के अलावा बालसमुद-पथोरा, रजुर-सिनगुन, दुर्गापुर-फटा भनगांव-बोरावा और सैलानी-मुलठन रोड शामिल हैं।

असीरगढ़-नेपानगर रोड के लिए 125 करोड़ मंजूर

दैनिक इंदौर संकेत

बुरहानपुर • वित्तमंत्री जगदीश देवड़ा ने तीसरा बजट (2026-27) पेश किया। इस बजट में बुरहानपुर जिले को करोड़ों रुपये की विकास परियोजनाओं की सौगात मिली है। सबसे बड़ी घोषणा असीरगढ़ से नेपानगर मार्ग के लिए हुई है, जिसके लिए 125 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। इसके अलावा जिले में कई अन्य प्रमुख सड़कें और दो नए रेस्ट हाउस (विश्राम गृह) भी बनाए जाएंगे। बजट में सबसे अधिक राशि 125 करोड़ रुपये एक सड़क निर्माण के लिए आवंटित की गई है। यह सड़क असीरगढ़ से नेपानगर, सीवल, केरपानी, अमुल्ला, परेठा और दाहिन्दा तक जाएगी। इसकी कुल लंबाई 66.03 किलोमीटर होगी। सरकार ने बुरहानपुर विधायक अर्चना चिटनिस और नेपानगर विधायक मंजू दादू द्वारा दिए गए प्रस्तावों के बाद इन विकास कार्यों को बजट में शामिल किया है। जिले में इच्छापुर और शाहपुर में दो नए रेस्ट हाउस बनाए जाएंगे। शाहपुर में एक अतिरिक्त कक्ष के साथ इन दोनों रेस्ट हाउस के निर्माण पर कुल 3 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इसके अलावा ऐतिहासिक असीरगढ़ किले तक 3.30 किलोमीटर लंबे पहुंच मार्ग के लिए भी 4.30 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

मप्र बजट : मूंदी रोड़ को नहीं मिली स्वीकृति

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा • 32 किलोमीटर के रोड़ को इस बार बजट में स्वीकृति नहीं मिली हैं। गड्ढों और धूल में पट चुकी यह सड़क अब जानलेवा हो गई है। यहां आए दिन हादसे हो रहे हैं। दोनों विधायक कई बार मुख्यमंत्री से पत्राचार कर चुके हैं। मुलाकात तक की लेकिन यह प्रयास विफल साबित हुए हैं। बुधवार को एमपी विधानसभा में पेश हुए बजट से खंडवा जिले को कुछ खास नहीं मिला है। इससे जनता और विधायक दोनों निराश हैं। बजट में सिर्फ उन 40 सड़कों को शामिल किया गया हैं। जिनकी दूरी महज 4 से 8 किलोमीटर हैं। खंडवा-मूंदी रोड़ दो विधानसभा सीटों को जिला मुख्यालय से जोड़ने के साथ राजधानी भोपाल तक जाने का मुख्य मार्ग हैं। इसके अलावा यह इंदिरा

सागर बांध, ओंकारेश्वर बांध, ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग, संत सिंगाजी थर्मल पॉवर प्लांट, हनुमंतिया टापू, संत सिंगाजी समाधिस्थल को जोड़ता हैं। इस सड़क को पूर्व में विशेष फंड से स्वीकृति मिली थी। लेकिन निरस्त हो गई। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी खंडवा प्रवास के दौरान 3 बार घोषणा कर चुके हैं।

विधायक बोलीं- मैंने तो बहुत प्रयास किए हैं - मूंदी रोड़ को स्वीकृति ना मिलने को लेकर विधायक कंचन तनवे ने कहा कि, मैंने इसे लेकर बहुत प्रयास किए हैं। मंत्री, मुख्यमंत्री से बहुत बार मिली हूं। प्रत्येक मंगलवार को उनके पास भोपाल जाती थी, एक ही मांग रहती थी कि रोड़ स्वीकृत करा दो। वे खुद कई बार सार्वजनिक रूप से भी घोषणा कर चुके हैं। मैं क्या कर सकती हूं, जनता भले ही मुझे भला-बुरा कहें लेकिन मैंने बहुत प्रयास किए हैं। आज भी पीडब्ल्यूडी मंत्री के सामने नाराजगी जताई। अब शायद मुख्यमंत्री के दिमाग में सरस्वती जी बैठ जाएं और उन्हें इस रोड़ का ख्याल आ जाए।

फाग यात्रा में हल्दी और चुकंदर से तैयार किए रंग-गुलाल

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा • रंगपंचमी पर 8 मार्च को शहर में लगातार दूसरे साल पारंपरिक श्री दादाजी फाग यात्रा धूमधाम से निकलेगी। यह यात्रा हिंदू उत्सव समिति के तत्वावधान में श्री दादाजी उत्सव समिति के नेतृत्व में आयोजित होगी। फाग यात्रा की शुरुआत सुबह 10 बजे नगर निगम तिराहे से होगी। आयोजन समिति ने बताया कि इस बार इंदौर से विशेष रंग तोप (मिसाइल) मंगाई जा रही हैं, जिनसे टेसू, हल्दी और चुकंदर से तैयार हर्बल गुलाल की बौछार की जाएगी। टैंकरों से रंगों की बारिश के साथ फूलों की वर्षा भी आकर्षण का केंद्र रहेगी। पूरी तरह प्राकृतिक रंगों का उपयोग होगा। टेसू के फूल, चुकंदर और हल्दी से तैयार गुलाल लोगों पर बरसाया जाएगा, जिससे पर्यावरण और स्वास्थ्य को कोई नुकसान न हो। यात्रा में ढोल-ताशे, बैंड, डीजे के साथ आदिवासी कलाकारों की प्रस्तुतियां भी होंगी, जो शहरवासियों को पारंपरिक संस्कृति से रूबरू कराएंगी। शहर में पिछले 15 वर्षों से फाग यात्रा निकल रही है। इसकी शुरुआत तत्कालीन विधायक देवेंद्र वर्मा मित्र मंडल ने की थी। हालांकि लोकसभा चुनाव के दौरान आचार संहिता के चलते एक साल यात्रा नहीं निकल सकी थी। इसके बाद परंपरा को बनाए रखने के लिए सकल हिंदू समाज की पहल पर श्री दादाजी फाग यात्रा फिर से प्रारंभ की गई। अब लगातार दूसरे साल यह आयोजन श्री दादाजी उत्सव समिति के नेतृत्व में किया जा रहा है।

कर्ज के तनाव में किसान ने खाया जहर, इलाज के दौरान हुई मौत

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा • कर्ज से परेशान होकर एक किसान ने जहर खाकर खुदकुशी कर ली हैं। जिला अस्पताल में पिछले 6 दिन से इलाज चल रहा था, इसी बीच किसान ने दम तोड़ दिया। मामले में परिजन का कहना है कि, मृतक के ऊपर भारी-भरकम कर्ज था। खेती-किसानी में हो रहे लगातार नुकसान के चलते वह कर्ज को पटा नहीं पा रहा था। मृतक किसान की पहचान बाबूलाल पिता कालू (50) निवासी ग्राम रामपुरी रैय्यत (पिपलोद थाना क्षेत्र) के रूप में हुई हैं। बेटा देवसिंह ने बताया कि 12 फरवरी गुरुवार को पिता ने घर से बाहर जाकर खेत के रास्ते पर जहर लिया था। हमें पता चला कि वो खेत के रास्ते पर पड़े हुए हैं। वहां से सीधे जिला अस्पताल लाए, यहां डॉक्टरों ने भर्ती कर लिया। उस वक्त हालत सीरियस थी लेकिन 3 दिन बाद वह खतरे से बाहर आ गए थे। अब एक-दो दिन में डिस्चार्ज होने वाले थे कि बुधवार को उन्होंने दम तोड़ दिया। मृतक बाबूलाल के बेटे देवसिंह के अनुसार, बोरगांव बुजुर्ग स्थित भारतीय स्टेट बैंक की शाखा से पिता ने 10 लाख रुपए का केसीसी लोन लिया था। जिसके ब्याज का भुगतान उनके द्वारा किया जाता रहा हैं। खाता रेगुलर होकर सिर्फ मूलधन का पैसा बाकी था। इसके अलावा उन्होंने बैंक से ही 2023 में ट्रैक्टर लोन लिया था। इस लोन को लगातार भर रहे थे, लेकिन कुछ किश्तें ड्यू हो गई, फिलहाल 7 किश्तें बाकी थी और इसी बीच बैंक वालों ने ट्रैक्टर सीज कर लिया। इस तरह कर्ज को लेकर लगातार परेशान हो गए और शराब पीने लग गए। कहते थे कि कर्ज कैसे चुकाएंगे। हर साल फसल बिगड़ रही थी।

टी20 विश्व कप में आज जिम्बाब्वे और श्रीलंका में होगा मुकाबला

कोलंबो (एजेंसी) ● मेजबान श्रीलंकाई टीम का मुकाबला गुरुवार को यहां टी20 विश्व कप क्रिकेट के मैच में जिम्बाब्वे से होगा। दोनों ही टीमें पहले ही सुपर-8 में पहुंच गयी हैं। ऐसे में ये मुकाबला रोमांचक रहेगा। दोनों का लक्ष्य इस मैच को जीतकर ग्रुप बी में शीर्ष स्थान हासिल करना रहेगा। श्रीलंका ने यहां ओमान और आयरलैंड को हराया और फिर ऑस्ट्रेलिया को हराकर अपनी ताकत दिखायी है। वहीं जिम्बाब्वे ने बड़ा उलटफेर करते हुए ऑस्ट्रेलिया को हराया है। वहीं आयरलैंड के खिलाफ उसका मैच बारिश के कारण नहीं हो पाया। जिससे उसे एक अंक मिला। इससे ऑस्ट्रेलिया की टीम टूर्नामेंट से बाहर हो गया। श्रीलंकाई टीम सुपर 8 में पहुंचने के बाद भी जिम्बाब्वे के खिलाफ कोई गलती नहीं करना चाहेगी। वह अपनी जीत की लय को बनाए रखने और ग्रुप में नंबर पर रहने उतरेगी। श्रीलंका को घरेलू हालातों का लाभ मिलेगा। सलामी बल्लेबाज पथुम निसांका के फॉर्म में होने से भी श्रीलंका को लाभ होगा। निशांका ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शतक लगाकर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। उनके अलावा कुसल मेंडिस ने भी पिछले मैच में अर्धशतक लगाया था और वह ये सिलसिला बनाये रखना चाहेंगे।

श्रीलंका की गेंदबाजी की कमान दाएं हाथ के तेज गेंदबाज दुश्मंथा चमीरा के पास रहेगी। वहीं तेज गेंदबाज मथीसा पथिराना भी इस मैच में लय हासिल करना चाहेंगे। वह अपनी अलग गेंदबाजी शैली से काफी प्रभावी रहते हैं। स्पिनर के तौर पर टीम के पास दुशान हेमंथा जैसा लेग स्पिनर है। उसके अलावा महीश तीक्षाना जैसा गेंदबाज है।

वहीं जिम्बाब्वे की राह आसान नहीं है। श्रीलंका के घरेलू मैदान पर उसके लिए मेजबान गेंदबाजों का समाना करना कठिन रहेगा हालांकि ऑस्ट्रेलिया पर जीत के बाद से ही उसके खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ा हुआ है जिसका लाभ भी उसे मिलेगा। उसके सलामी बल्लेबाज ब्रायन बेनेट ने ऑस्ट्रेलिया और ओमान के खिलाफ क्रमश: 64 और 48 रन बनाये थे। इसके अलावा तादिवानाशे मारुमानी, रयान बर्ल और सिकंदर रजा भी फार्म में हैं। गेंदबाजी में उसके पास अनुभवी तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजरबानी के अलावा रिचर्ड नगारवा हैं।

मथीशा पथिराना टी20 वर्ल्ड कप से बाहर, दिलशान मदुशंका करेंगे रिप्लेस

कोलंबो (एजेंसी) ● श्रीलंका को अपने मौजूदा टी20 वर्ल्ड कप अभियान में एक और चोट का झटका लगा है, जब सीमर मथीशा पथिराना बाकी टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। लेफ्ट-आर्म पेसर दिलशान मदुशंका को आईसीसी की इवेंट टेक्निकल कमेटी ने रिप्लेसमेंट के तौर पर मंजूरी दे दी है। सोमवार को पल्लेकेले में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ श्रीलंका के ग्रुप बी मैच के दौरान पथिराना अपने पहले ओवर की सिर्फ चार गेंद डालने के बाद ही अपना बायां पैर पकड़कर लेट गए। वह लंगड़ाते हुए मैदान से बाहर गए और वापस नहीं लौटे, जबकि श्रीलंका ने ऑस्ट्रेलिया को आठ विकेट से हरा दिया। आईसीसी ने पथिराना के बाएं पैर की मांसपेशियों में खिंचाव की पुष्टि की, जिससे वह तुरंत टूर्नामेंट से बाहर हो गए। यह श्रीलंका को लगी दूसरी बड़ी चोट है, इससे पहले रिस्ट-स्पिन ऑलराउंडर वानिंदु हसरंगा को हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण बाहर होना पड़ा था, जो उन्हें आयरलैंड के खिलाफ टूर्नामेंट के पहले मैच में लगी थी। बाएं हाथ के सीमर मदुशंका ने आखिरी बार अगस्त 2025 में ज़िम्बाब्वे दौरे के दौरान वनडे सीरीज में दो मैच खेले थे। वह भी तब से चोट से जूझ रहे हैं, हालांकि उन्होंने इस महीने की शुरुआत में ओमान के खिलाफ श्रीलंका ए के लिए टी20 वर्ल्ड कप वार्म-अप मैच में हिस्सा लिया था।

अभिषेक जल्दबाजी में शॉट ने खेलें : गावस्कर

मुंबई (एजेंसी) ● पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने खराब फार्म से जूझ रहे आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा को सलाह दी है कि वह वह पहले विकेट पर समय बिताये और उसके बाद ही एक-एक रन बनाने के बाद अपना स्वाभाविक खेल खेलें। महान बल्लेबाज गावस्कर के अनुसार उन्हें पहले वाली लय हासिल करने के लिए, मूल बातों पर लौटना होगा। गावस्कर ने कहा कि पारी की शुरुआत में जल्दबाज़ी में विकेट गंवाने से बचें। उन्होंने कहा कि आक्रामक शॉट खेलने से पहले केवल एक-एक रन लें जिससे शरीर और दिमाग दोनों मैच के अनुसार ढ़ल सके। गावस्कर के मुताबिक, पहले एक एक रन लो, फिर अपने अनुसार खेलो क्योंकि जब तक आप रन बोर्ड पर नहीं लगाते, आत्मविश्वास पूरी तरह नहीं आता। उन्होंने यह भी कहा कि अच्छे फॉर्म को हल्के में नहीं लेना चाहिए, क्योंकि कई बल्लेबाज शानदार फॉर्म के बाद जरूरत से ज्यादा आक्रामक होने के कारण भी विफल होते हैं। गावस्कर के अनुसार बड़े मुकाबलों में मानसिक मजबूती भी बड़ी चुनौती बन जाती है। बड़े मंच पर अधिक दबाव में भी खिलाड़ी गलती कर देते हैं। अभिषेक ने पिछले साल काफी अच्छा प्रदर्शन किया था। न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में उन्होंने शानदार शतक लगाया था। उसके बाद से ही उसने विश्वकप में बड़ी पारियों की उम्मीद की जा रही थी।

मैं सिंगल हूं और मिंगल के लिए तैयार हूं : मृणाल

मुंबई (एजेंसी) ● अभिनेता अक्षय कुमार के शो व्हील ऑफ फॉर्च्यून के आने वाले एपिसोड में अभिनेत्री मृणाल ठाकुर दिखाई देंगी। इस एपिसोड में एक दिलचस्प पल तब सामने आया जब अक्षय कुमार ने मृणाल ठाकुर के रिलेशनशिप स्टेटस से जुड़ा सवाल पूछ लिया, जिसके जवाब ने न सिर्फ दर्शकों को चौंकाया बल्कि हाल में चली आ रहीं चर्चाओं पर भी विराम लगा दिया। अक्षय ने मस्ती भरे अंदाज में कहा 'मृणाल, सोशल मीडिया पर आपके बारे में काफी बातें हो रही हैं। आपका रिलेशनशिप स्टेटस क्या है?' इस पर मृणाल ने बिना किसी झिझक के मुस्कुराते हुए जवाब दिया 'मैं अभी सिंगल हूं... और मिंगल होने के लिए तैयार हूं।' उनका यह सीधा लेकिन चुटीला जवाब सुनते ही पूरा सेट ठहाकों से गूंज उठा। अक्षय ने मौके को मजेदार बनाने के लिए, दर्शकों में मौजूद एक व्यक्ति को खड़े होने को कहा, लेकिन उसने बताया कि वह शादीशुदा है। इस पर अक्षय ने हंसते हुए कहा 'मैं सिंगल करने के लिए नहीं बुला रहा था।' यह पूरा पल शो का हाइलाइट बन गया।

फिल्म निर्माता विवेक अग्निहोत्री ऑपरेशन सिंदूर पर बनाएंगे फिल्म

मुंबई (एजेंसी) ● द कश्मीर फाइल्स और द वैक्सीन वॉर जैसी फिल्में बना चुके फिल्ममेकर विवेक अग्निहोत्री ने अब दिग्गज प्रोड्यूसर भूषण कुमार के साथ हाथ मिलाया है। विवेक अग्निहोत्री अब ऑपरेशन सिंदूर पर फिल्म बनाने वाले हैं। यह फिल्म मई 2025 में भारतीय सेना द्वारा किए गए हमलों के कोडनेम से इंस्पायर्ड बताई जा रही है। एक रिपोर्ट के मुताबिक यह फिल्म टी-सीरीज और आई एम बुद्धा प्रोडक्शन्स के बैनर तले बनाई जाएगी। हालांकि अभी तक फिल्म को लेकर कोई ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं किया गया है, लेकिन फैंस अभी से सुपर एक्साइटेड हैं।

उज्जैन संभाग

सिंहस्थ के लिए 3060 करोड़ का बजट, सिक्स लेन ग्रीन फील्ड हाईवे, रोपवे को मिली मंजूरी

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने बुधवार को वित्तीय वर्ष 2026-27 का बजट पेश करते हुए सिंहस्थ महापर्व की तैयारियों के लिए उज्जैन में 3,060 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का प्रावधान प्रस्तावित किया। कुल बजट 4 लाख 38 हजार 317 करोड़ रुपए का है। वित्त मंत्री ने करीब 1 घंटा 30 मिनट का बजट भाषण दिया। वित्त मंत्री ने कहा कि सिंहस्थ महापर्व को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार की ओर से कुल 13,851 करोड़ रुपए चल रहे है। कुल 21 हजार करोड़ के कार्य शहर में होना है। नए कार्य भी इस राशि से किए जाएंगे। शहर में ट्रैफिक दबाव कम करने के लिए उज्जैन-इंदौर सिक्स लेन ग्रीन फील्ड हाईवे का निर्माण किया जाएगा। इसके अलावा नए बायपास और अन्य सड़क परियोजनाएं भी सिंहस्थ से जुड़े विकास कार्यों के तहत शामिल की गई हैं। महाकाल क्षेत्र से जुड़े रोप-वे प्रोजेक्ट को प्रमुख निर्माणाधीन परियोजनाओं में शामिल किया गया है। उज्जैन में फोर-लेन एलिवेटेड कॉरिडोर का निर्माण भी किया जाएगा, जिससे शहर में यातायात व्यवस्था बेहतर होगी। उज्जैन, सतना, भोपाल और छतरपुर में सांस्कृतिक वन स्थापित किए जाएंगे। इन परियोजनाओं का उद्देश्य सांस्कृतिक और पर्यटन सुविधाओं को बढ़ावा देना है। उज्जैन सहित कई जिलों में कामकाजी महिलाओं के लिए सखी-निवास बनाए जाएंगे। इसके अलावा सड़क, पुल और शहरी परिवहन सुधार योजनाओं के तहत उज्जैन को राज्य स्तरीय इंफ्रास्ट्रक्चर विस्तार का लाभ मिलेगा।

हरसिद्धि घाट पर 56 भोग, साधु-संतों और श्रद्धालुओं ने पाया प्रसाद

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● महाशिवरात्रि पर भगवान शिव और माता पार्वती के विवाह के बाद उज्जैन में रिसेप्शन का दौर शुरू हो गया है। बुधवार शाम महाकाल शयन आरती युवा परिवार ने हरसिद्धि मंदिर के पीछे नर्सिंग घाट पर भंडारे का आयोजन किया। इस अवसर पर भगवान को 56 प्रकार का भोग अर्पित किया गया, जिसे बड़ी संख्या में साधु-संतों और श्रद्धालुओं ने ग्रहण किया। यह आयोजन प्रतीकात्मक रूप से बाबा के रिसेप्शन के रूप में प्रस्तुत किया गया। रिसेप्शन स्थल पर विशाल आदियोगी और बालाजी की मूर्तियां तथा आकर्षक सेटअप लोगों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। महाशिवरात्रि पर्व के बाद उज्जैन में भगवान शिव और माता पार्वती के विवाह से जुड़ी परंपराएं श्रद्धा और उल्लास के साथ निभाई जा रही हैं। इसी क्रम में यह भव्य भंडारा आयोजित किया गया। इस बीच, बाबा की शादी की पत्रिकाएं भी बांटी जा रही हैं। श्री महाकाल शयन आरती युवा शक्ति परिवार द्वारा 1 मार्च को भंडारे के रूप में एक और भव्य रिसेप्शन का आयोजन किया जाएगा। आयोजकों ने बताया कि यह आयोजन केवल धार्मिक आस्था का ही नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता और सेवा भाव का भी प्रतीक है, जिसमें हर वर्ग के लोग एक साथ प्रसाद ग्रहण करेंगे।

8 लाख भक्त पहुंचे महाकाल मंदिर, समिति को 2.57 करोड़ की शीघ्र दर्शन और लड्डू प्रसादी से आय हुई

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● महाशिवरात्रि पर्व के दो दिन 15 और 16 फरवरी को देश बाहर से आए 8 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने दर्शन किए हैं। इस दौरान 62 लाख रुपए से अधिक की आय सिर्फ 250 रुपए वाली शीघ्र दर्शन की रसीद से हुई साथ ही मंदिर से 1.95 करोड़ रुपए का लड्डू प्रसादी अभी भक्त अपने साथ ले गए। मंदिर में आए दान की गणना करना अभी बाकी है। महाशिवरात्रि पर 44 घंटे तक महाकाल मंदिर के पट खुले रहे। इस दौरान दो दिनों में 15 फरवरी रविवार को 5 लाख 78 हजार 943, और 16 फरवरी को 2 लाख 27 हजार 602 भक्तों ने महाकाल भगवान के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। इस दौरान शीघ्र दर्शन 25 हजार श्रद्धालुओं ने शीघ्र दर्शन का लाभ लिया। रविवार को 20,700 श्रद्धालुओं द्वारा 250 रुपए का शीघ्र दर्शन टिकट लेकर दर्शन लाभ लिया। साथ ही सोमवार को 4,300 लोगो ने टिकटों के माध्यम से दर्शन किए। इस प्रकार दो दिनों में कुल 25,000 टिकटों के माध्यम से 62,50,000 की आय मंदिर समिति को प्राप्त हुई। शिव नवरात्रि पर्व पर 400 क्विंटल से अधिक लड्डू प्रसाद विक्रय श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति द्वारा शिव नवरात्रि के पावन अवसर पर दिनांक 6 फरवरी से 16 फरवरी तक श्रद्धालुओं हेतु रागी एवं बेसन के लड्डुओं प्रसाद की व्यवस्था की गई। इस अवधि में मंदिर समिति द्वारा 1.95 करोड़ लागत के कुल 410.6 क्विंटल रागी एवं बेसन के लड्डुओं का विक्रय किया गया।

कोचिंग संचालक से मारपीट पर चक्का जाम पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई की मांग

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● केशव नगर में हफ्ता मांगने के विवाद और पुलिस द्वारा कार्यकर्ताओं से मारपीट के आरोपों के विरोध में बुधवार को कोचिंग क्लास एसोसिएशन, भारत विकास परिषद और क्षेत्र के रहवासियों ने पुलिस कंट्रोल रूम का घेराव कर चक्का जाम किया। प्रदर्शनकारी एसपी को मौके पर बुलाने की मांग पर अड़े रहे। बाद में एसपी प्रदीप शर्मा के कार्रवाई के आश्वासन के बाद प्रदर्शन खत्म हुआ। केशव नगर निवासी अजय जागरी कोचिंग क्लास संचालित करते हैं। मंगलवार दोपहर करीब 12:30 बजे क्षेत्र के इमरान और आरिफ ने उनसे कथित रूप से हफ्ता मांगा। मना करने पर दोनों ने गाली-गलौज की। इसके बाद उनके परिवार के अन्य लोग भी मौके पर पहुंचे और अजय के घर के बाहर लाठी-डंडों से हमला किया। घटना का विरोध करने पहुंचे हिंदूवादी संगठन के पार्थ जैन सहित करीब आधा दर्जन कार्यकर्ताओं के साथ पुलिस द्वारा मारपीट किए जाने का आरोप लगा। घटना का वीडियो सामने आने के बाद मंगलवार रात को भी पुलिस कंट्रोल रूम का घेराव कर प्रदर्शन किया गया। रात में सुनवाई नहीं होने पर बुधवार सुबह बड़ी संख्या में लोग कंट्रोल रूम पहुंचे और प्रदर्शन किया। कोचिंग संस्थान संचालक पंकज चांदोरकर ने बताया कि जिन पुलिसकर्मियों ने युवकों से मारपीट की है, उनके खिलाफ कार्रवाई की जाए। कोचिंग संचालक के साथ मारपीट करने वाले अन्य छह आरोपियों के खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई की मांग की गई। साथ ही आरोपियों के अवैध निर्माण हटाने और अवैध रूप से रह रहे लोगों के बिजली-पानी कनेक्शन काटने की मांग करते हुए एसपी को ज्ञापन सौंपा गया। उज्जैन एसपी प्रदीप शर्मा ने बताया कि मामले में सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। ज्ञापन में बताए गए छह आरोपियों के नाम भी फुटेज के आधार पर एफआईआर में जोड़े जाएंगे।

सीएम हेल्पलाइन शिविर में एसपी ने खुद सुनीं समस्याएं; 7 शिकायतों का मौके पर समाधान

दैनिक इंदौर संकेत

आगर - मालवा ●एसपी कार्यालय में बुधवार को 'सीएम हेल्पलाइन शिकायत निवारण शिविर' लगा। इसमें पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार सिंह के नेतृत्व में कई लंबित मामलों का मौके पर ही निपटारा किया गया। शिविर के दौरान कुल 7 गंभीर शिकायतों को आपसी सहमति और विधिक प्रक्रिया के माध्यम से सुलझाया गया। इसमें कोतवाली थाना क्षेत्र से तीन, नलखेड़ा थाना क्षेत्र से दो और बड़ौद थाना क्षेत्र से संबंधित एक शिकायत का मौके पर समाधान किया गया। इन सभी मामलों का निराकरण संबंधित अधिकारियों और शिकायतकर्ताओं की उपस्थिति में सुनिश्चित किया गया, जिससे आवेदकों को बार-बार थाने के चक्कर लगाने से मुक्ति मिली। एसपी विनोद कुमार सिंह ने शिविर में आए फरियादियों से व्यक्तिगत रूप से चर्चा की और उनकी समस्याओं को बारीकी से समझा। उन्होंने मौके पर मौजूद थाना प्रभारियों को सख्त निर्देश दिए कि सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाया जाए। एसपी ने कहा कि निराकरण की प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और समयबद्ध होनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि शिकायतों के निराकरण में किसी भी स्तर पर अनावश्यक विलंब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस दौरान अधिकारियों ने लंबित फाइलों का मौके पर ही अध्ययन कर निराकरण किया। इस शिविर में एसडीओपी सुसनेर देवनारायण यादव और कोतवाली थाना प्रभारी शशि उपाध्याय सहित पुलिस अधीक्षक कार्यालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

हर्बल, गुलाल और जीरो वेस्ट थीम पर गेर 8 मार्च को निकालेंगे

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● रंगपंचमी के अवसर पर 8 मार्च को नगर निगम द्वारा निकाली जाने वाली पारंपरिक नगर गेर भव्य स्वरूप में निकाली जाएगी। तैयारियों को लेकर मंगलवार को छत्रपति शिवाजी भवन में जनसंपर्क विभाग की समीक्षा बैठक हुई। अध्यक्षता प्रभारी अनिल गुप्ता ने की, जिसमें गेर की रूपरेखा, व्यवस्थाएं और प्रचार-प्रसार को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार नगर गेर की शुरुआत महाकाल मंदिर से होगी और यह गुदरी चौराहा, पटनी बाजार होते हुए गोपाल मंदिर पर होगी। बैठक में गुप्ता ने निर्देश दिए कि परंपरा के अनुरूप सभी व्यवस्थाएं समय से पहले सुनिश्चित की जाएं तथा आवश्यक निविदा प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण की जाए। आयोजन को भव्य रूप देने के साथ व्यापक प्रचार-प्रसार करने पर भी जोर दिया गया। नगर गेर में डीजे, बैंड, घोड़ी, पानी के टैंकर और हर्बल गुलाल की व्यवस्था की जाएगी।

न्यूज ब्रीफ

थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों के लिए दवाइयों का वितरण पुनः शुरू

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देश पर आज से श्री खजराना गणेश मंदिर स्थित मेडिसिन सेंटर पर थैलेसीमिया से पीड़ित बच्चों के लिए दवाइयों का वितरण पुनः प्रारंभ कर दिया गया है। उल्लेखनीय है कि मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में थैलेसीमिया से पीड़ित बच्चों एवं उनके परिजनों ने कलेक्टर श्री शिवम वर्मा को अपनी समस्या से अवगत कराया था। इस पर कलेक्टर वर्मा ने तत्काल संबंधित अधिकारियों से चर्चा कर आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए थे। निर्देशों के पालन में आज से खजराना गणेश मेडिसिन सेंटर पर आवश्यक दवाइयों का वितरण प्रारंभ कर दिया गया है, जिससे थैलेसीमिया से पीड़ित बच्चों को राहत मिलेगी। बताया गया कि दवाईयों का पर्याप्त भंडारण है। प्रशासन द्वारा यह व्यवस्था नियमित रूप से जारी रखने के लिए भी आवश्यक कदम उठाए गए हैं।

सम्भागायुक्त ने शीघ्रता से आवश्यक व्यवस्थाएं जुटाने के लिए किए आदेश

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर में अंगदान के क्षेत्र में सतत एवं संगठित प्रयासों के सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। राज्य शासन की मंशा एवं स्वास्थ्य विभाग के समन्वित मार्गदर्शन में चिकित्सा संस्थानों द्वारा अंगदान को जन-आंदोलन का स्वरूप देने की दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में आज पुनः एक और अंगदान की प्रक्रिया संपन्न की जा रही है, जो न केवल मानवता की उत्कृष्ट मिसाल है बल्कि गंभीर रूप से बीमार मरीजों के लिए जीवनदान का माध्यम भी बनेगी। सम्भागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े ने अंगदान की प्रक्रिया के लिये जल्द से जल्द सभी समुचित आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के लिए संबंधितों को आदेश दिए हैं।

भोजशाला केस इंदौर बेंच से जबलपुर हाईकोर्ट शिफ्ट, चीफ जस्टिस करेंगे सुनवाई

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

धार ● मध्यप्रदेश में धार भोजशाला केस अब जबलपुर हाईकोर्ट में शिफ्ट हो गया है। 18 फरवरी को चीफ जस्टिस सुनवाई करेंगे। एएसआई की रिपोर्ट सभी पक्षकारों को मिलेगी। भोजशाला केस अब जबलपुर हाईकोर्ट में लिस्ट हुआ है, चीफ जस्टिस करेंगे सुनवाई। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट में सुनवाई के निर्देश दिए थे। एएसआई की रिपोर्ट सभी पक्षकारों को दी जाएगी। याचिका में हिंदू और मुस्लिम पक्षों के साथ कई संस्थाएं शामिल हैं। हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस ने सुप्रीम कोर्ट में पैरवी की थी, कोर्ट ने पक्षकारों को सुझाव देने का समय दिया।

धार भोजशाला विवाद को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने 28 जनवरी को अहम आदेश दिया था। इसके बाद केस 16 फरवरी को इंदौर बेंच में लिस्ट हुआ था। इसमें सुप्रीम कोर्ट के आदेश को देखा गया, इसके बाद चीफ जस्टिस के पास मामला पहुंचा। अब यह केस औपचारिक तौर पर जबलपुर में लिस्ट हो गया है और चीफ जस्टिस की बेंच इसकी सुनवाई करेगी। यह केस 18 फरवरी के लिए लिस्ट हो चुका है।

सुप्रीम कोर्ट ने यह दिए थे आदेश -सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया था कि- हाईकोर्ट चीफ जस्टिस मप्र की अध्यक्षता वाली बेंच इसकी सुनवाई करे। या फिर पीठ के सबसे वरिष्ठ न्यायाधीश की बेंच द्वारा तीन सप्ताह की अवधि में सुनवाई की जाए।

हाईकोर्ट में यह है याचिका और पक्षकार-हाईकोर्ट में भोजशाला के सर्वेक्षण को लेकर याचिका 10497/2022 लगी थी। इस पर हाईकोर्ट ने 11 मार्च 2024 को वैज्ञानिक सर्वेक्षण के आदेश दिए। इस आदेश के तहत सर्वे भी हुआ और रिपोर्ट बंद लिफाफे में पेश हुई। इसी बीच मौलाना कमालउद्दीन वेलफेयर सोसायटी ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दी थी।

हाईकोर्ट की याचिका में हिंदू फ्रंट फार जस्टिस प्रेसिडेंट रंजना अग्निहोत्री, आशीष गोयल, आशीष जनक, मोहित गर्ग, जितेंद्र सिंह, सुनील सारस्वत याचिकाकर्ता है। वहीं इसमें पक्षकार केंद्र सरकार, आर्कियोलॉजिकल सर्वे आफ इंडिया, मप्र शासन, जिला कलेक्टर, एसपी धार, मौलाना कमालउद्दीन वेलफेयर सोसायटी प्रेसिडेंट अब्दुल समद, श्री महाराजा भोज सेवा संस्थान समिति सचिव गोपाल शर्मा है।

सुप्रीम कोर्ट के निर्देश को हिंदू फ्रंट ने बताई थी जीत-याचिकाकर्ता आशीष गोयल ने बताया था कि सुप्रीम कोर्ट में हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस की ओर से वरिष्ठ अभिभाषक विष्णु शंकर जैन ने प्रकरण में पैरवी की थी। हाईकोर्ट में हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस एवं याचिका कर्ता की ओर से पैरवी अभिभाषक विनय जोशी इंदौर द्वारा की जाएगी। भोजशाला में जो एएसआई द्वारा 98 दिन तक का सर्वे हुआ है,उसके आधार पर हाईकोर्ट सुनवाई कर भोजशाला का धार्मिक स्वरूप तय करेगी।

सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई को लेकर ये दिए निर्देश...

- हाईकोर्ट चीफ जस्टिस मप्र की अध्यक्षता वाली बेंच इसकी सुनवाई करे। या फिर पीठ के सबसे वरिष्ठ न्यायाधीश की बेंच द्वारा तीन सप्ताह की अवधि में सुनवाई की जाए।
- डिवीजन बेंच से अनुरोध है कि वह खुली अदालत में रिपोर्ट को अनसील करे और दोनों पक्षों को उसकी प्रतियां उपलब्ध कराए।
- इसके बाद, पक्षों को अपनी-अपनी आपत्तियां, राय, सुझाव और/या सिफारिशें प्रस्तुत करने के लिए दो सप्ताह का समय दिया जा सकता है;
- इसके बाद उच्च न्यायालय की खंडपीठ अंतिम सुनवाई के लिए मामले को ले सकती है और अंतिम सुनवाई के समय पक्षों के सभी निवेदनों पर विधिवत विचार किया जा सकता है।
- रिट याचिका पर अंतिम निर्णय होने तक, भोजशाला सरस्वती मंदिर-सह-मौलाना कमल मौला मस्जिद के स्वरूप में परिवर्तन के संबंध में पक्षकार यथास्थिति बनाए रखेंगे।
- पक्षकार भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के महानिदेशक द्वारा दिनांक 07.04.2003 को जारी आदेश का पालन और कार्यान्वयन करते रहेंगे।

पार्षद कमलेश कालरा का फर्जी जाति सर्टिफिकेट मामले में जवाब, हाईकोर्ट में होगी फाइनल सुनवाई

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर के पार्षद कमलेश कालरा फर्जी जाति सर्टिफिकेट मामले में उलझे हैं। वार्ड क्रमांक 65 के भाजपा पार्षद कमलेश सिंधी समाज से हैं। हाईकोर्ट में 27 फरवरी को मामले की फाइनल सुनवाई होगी। इंदौर नगर निगम के वार्ड 65 के पार्षद कमलेश कालरा फर्जी जाति सर्टिफिकेट मामले में उलझ हुए हैं। इस मामले में अब उनके अधिवक्ता द्वारा कहा गया कि वह जवाब पेश कर रहे हैं। इस पर हाईकोर्ट ने अब इसमें फाइनल सुनवाई के लिए केस 27 फरवरी को लगा दिया है।

ओबीसी सर्टिफिकेट पर है विवाद-वार्ड क्रमांक 65 के भाजपा पार्षद कमलेश कालरा सिंधी समाज से हैं। उनके पास लोहार जाति से ओबीसी का जाति सर्टिफिकेट है। कालरा के लोहार जाति सर्टिफिकेट को लेकर कांग्रेस नेता सुनील यादव ने याचिका लगाई है। इसमें कालरा के लोहार जाति सर्टिफिकेट को फर्जी बताते हुए निरस्त करने की मांग को गई है। याचिकाकर्ता के अधिवक्ता मनीष यादव ने कहा कि इसमें हमारी मांग फाइनल सुनवाई का है।

छानबीन समिति ने दे थी क्लीन चिट-यह मामला प्रशासन से होकर भोपाल शासन स्तर पर छानबीन समिति तक गया था। इसमें कालरा को छानबीन समिति ने क्लीन चिट दे दी थी। कांग्रेस नेता सुनील यादव ने छानबीन समिति के खिलाफ इंदौर हाईकोर्ट में याचिका दायर करते हुए जाति सर्टिफिकेट को निरस्त करने की मांग की है। याचिकाकर्ता का कहना है कि फर्जी लोहार जाति सर्टिफिकेट मामले में उच्चस्तरीय छानबीन समिति ने प्रदेश सरकार के दबाव में कालरा के पक्ष में गोलमोल जवाब देते हुए कालरा का बचाव किया है। जिससे कालरा 5 साल पूरे कर ले लेकिन कालरा के पास 2009 के पहले का कोई भी ऐसा सरकारी दस्तावेज नहीं था। ए कि वो लोहार जाति से है।

सूचना के अधिकार में यह दिया था जवाब-वहीं आदर्श सचान युवक ने मप्र शासन पिछड़ा वर्ग व अल्पसंख्यक विभाग के पास सूचना के अधिकार के तहत बीते साल 2025 में आवेदन लगाया था। इसमें ओबीसी वर्ग में सिंधी जाति शामिल है या नहीं इसकी जानकारी मांगी थी। इसमें विभाग द्वारा जवाब दिया गया था सिंधी जाति सम्मिलित नहीं है।

कालरा और एमआईसी मेंबर जीतू का हुआ था विवाद-उल्लेखीय है कि कमलेश कालरा उस समय चर्चा में आए थे जब एमआईसी के तत्कालीन मेंबर जीतू यादव के साथ फोन पर लंबी बहस हुई थी। इसके बाद कुछ लोगों द्वारा कालरा के घर पर हमला किया गया था। जिसके बाद जीतू को पार्टी से बाहर कर दिया गया।

एमबीए छात्रा की हत्या पर पीयूष को नहीं पछतावा
हंसकर बोला क्या करोगे जानकार, आएगा टाइम

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर में एमबीए छात्रा की हत्या करने वाले आरोपी से बातचीत के दौरान कई बड़े खुलासे हुए हैं। आरोपी को हत्या और दुष्कर्म करने का कोई भी पछतावा नहीं है। पुलिस की पूछताछ के दौरान भी आरोपी हंसता रहा। इंदौर के द्वारिकापुरी एरिया में एमबीए छात्रा की हत्या और दुष्कर्म का मामला गर्म है। इस मामले का आरोपी छात्रा का क्लासमेट ही था। आरोपी पीयूष धामनोदिया को अपने कृत्य का कोई पछतावा नहीं है। इंदौर पुलिस 17 फरवरी को उसे वारदात वाले रूम पर लेकर गई थी। इधर मीडिया से बात करते हुए पीयूष हंसते हुए बोला- क्या करोगे जानकर, छोड़ दो ना यार। वहीं घटना स्थल पर आरोपी के साथ पुलिस 40 मिनट तक रही और घटना का रिक्रिएशन किया। इस दौरान आरोपी ने घटना का ब्यौरा दिया है। आरोपी ने उसे मारने की योजना पहले ही बना ली थी। वह उसके चैटिंग एप में अन्य साथियों से बात करने से नाराज था, यह पुलिस को बताया। कमरे में आने के बाद छात्रा को निर्वस्त्र किया। इसके बाद मजाक करते हुए गिफ्ट देने की बात कहते हुए रस्सी से हाथ-पैर पलंग से बांधे। इसके बाद आरोपी ने छात्रा का गला दबा दिया था। आवाज नहीं आए इसके लिए मुंह में टी शर्ट ठूस दी और टेप लगा दिया था। जब वह बेहोश हो गई थी चाकू से वार किया था। पुलिस को मौके से टेप, रस्सी, चिप्स के पैकेट, चाकू यह सभी सामान मिल चुका है। अभी तक पूछताछ में यह भी सामने आ चुका है कि पीयूष ने सेक्स टेबलेट ली थी। पीयूष ने हत्या के पहले भी शारीरिक संबंध बनाए थे। हत्या के बाद फिर बाहर जाकर शराब पी और आकर फिर शव के साथ संबंध बनाए थे।

मीडिया से बातचीत में बोला पीयूष

क्या हुआ आपने क्यों मारा उसे?
पीयूष- कुछ नहीं हुआ छोड़ो जो हो गया हो गया यार
- कैसी बात कर रहे आपने एक लड़की को मारा, आपकी प्रेमिका थी
पीयूष-छोड दो ना, क्या करोगे जानकर
- आपको वह तंग कर रही थी क्या?
पीयूष- अच्छे से कारण बताउंगा सभी को, आराम से बताउंगा भाई, आएगा टाइम। टाइम आएगा।

महापौरजी! आप गाड़ी से नहीं, लोगों से रूबरू होकर समस्याएं सुनिए...

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● महापौरजी ! मेरी आपसे रिक्वेस्ट है, प्लीज आप गाड़ी से नहीं, लोगों से रूबरू होकर समस्याएं सुनिए। पूर्व विधायक लक्ष्मणसिंह गौड़ जब थे ना, वो फोर व्हीलर में नहीं चलते थे, वो लोगों के साथ चलते थे, घर-घर जाते थे। इसीलिए लोग उनको आज भी पूजते हैं। यह बात एक महिला ने द्वारकापुरी क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 84 में पहुंचे महापौर पुष्पमित्र भार्गव से कही।

दरअसल, महापौर पुष्पमित्र भार्गव द्वारा संकल्प से समाधान कार्यक्रम शहर के अलग-अलग वार्डों में आयोजित किया जा रहा है। इसी के तहत वे वार्ड 84 में जनता की समस्या सुनने पहुंचे थे। चौपाल के दौरान टीना पति जीतू गौड़ ने महापौर से सीधे सवाल किए। टीना ने महापौर से कहा कि यहां कॉर्नर पर एक गड्ढा बना हुआ था। आपके आने के पहले ही उसे भर दिया। उसके कारण न जाने कितने लोग गिरे हैं। तो सर, यह चीज आपके आने पर ही क्यों हुई? महिला के इस सवाल पर महापौर ने जवाब दिया कि मेरे आने का कुछ तो प्रभाव हुआ, इसीलिए तो दौरा करने आते हैं। इस पर महिला ने तुरंत पलटकर कहा कि सर, यदि प्रभाव है तो आपका नाम ही काफी होना चाहिए। आपको आने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

एमपी में बिछेगा सड़कों का महाजाल, खर्च होंगे 30 हजार 900 करोड़ रुपए, इन जिलों की बदल जाएगी तस्वीर

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● मध्यप्रदेश की मोहन यादव सरकार ने वित्त वर्ष 2026-27 के बजट में सड़क और परिवहन ढांचे को प्राथमिकता दी है। विधानसभा में डिजिटल बजट पेश करते हुए वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने रोड इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए 30,900 करोड़ रुपये का प्रावधान घोषित किया। सरकार का फोकस ग्रामीण संपर्क, जर्जर पुलों के पुनर्निर्माण और शहरों में ट्रैफिक सुधार पर रखा गया है। बजट दस्तावेज में सड़क नेटवर्क को विस्तार देने के साथ मौजूदा ढांचे के संधारण पर भी खर्च बढ़ाने का प्रस्ताव है। सरकार ने स्पष्ट किया कि ग्रामीण बसाहटों को मुख्य मार्गों से जोड़ने और औद्योगिक-शहरी आवागमन को सुगम बनाने के लिए अलग-अलग स्तर पर परियोजनाएं चलेंगी।

मजरा-टोला और पीएमजीएसवाई पर जोर : राज्य सरकार ने मजरा-टोला सड़क योजना के तहत उन बसाहटों तक पक्की सड़क पहुंचाने का लक्ष्य दोहराया है, जहां अब तक नियमित सड़क संपर्क नहीं है। इस योजना में 30,900 किलोमीटर लंबी सड़कों के निर्माण की स्वीकृति दी गई है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत भी नया कार्य कार्यक्रम तय किया गया है। इसमें 1,500 किमी नई सड़कें बनाने और 7,000 किमी सड़कों के नवीनीकरण का लक्ष्य रखा गया है। इस हिस्से को ग्रामीण बाजार, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच से सीधे जोड़ा गया है।

4,572 करोड़ की योजना : प्रदेश में क्षतिग्रस्त और जर्जर पुलों की स्थिति को देखते हुए 1,766 पुल-पुलियों के पुनर्निर्माण की योजना स्वीकृत की गई है। इसके लिए 4,572 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। चालू वित्तीय वर्ष में इसी मद में 900 करोड़ रुपये खर्च के लिए रखे गए हैं। सड़कों और पुलों के निर्माण-संधारण के लिए वर्ष 2026-27 में 12,690 करोड़ रुपये का अलग प्रावधान प्रस्तावित है। इससे नए निर्माण के साथ पुराने ढांचे की मरम्मत और क्षमता बढ़ाने का काम एक साथ चलाने की रणनीति सामने आती है।

रखरखाव पर ध्यान-इस बजट को सरकार ने सिर्फ नई सड़कें बनाना ही लक्ष्य नहीं रखा गया, बल्कि पुराने पुलों-सड़कों का पुनर्निर्माण और संधारण भी समान रूप से शामिल है। सरकार ने अलग-अलग मदों में प्रावधान देकर संकेत दिया है कि अगले चरण में नेटवर्क विस्तार और उपयोग क्षमता दोनों को साथ बढ़ाया जाएगा। बजट में बुनियादी ढांचे के अन्य हिस्सों का भी उल्लेख किया गया है, जिसमें सिंहस्थ 2028 के लिए 13,851 करोड़ रुपये के प्रावधान की घोषणा अलग से की गई है। कुल मिलाकर 2026-27 का रोडमैप प्रदेश में लंबी अवधि की कनेक्टिविटी परियोजनाओं को तेज करने पर केंद्रित है।

एलिवेटेड कॉरिडोर और फ्लाईओवर

बजट में बड़े शहरों के ट्रैफिक दबाव को कम करने के लिए एलिवेटेड कॉरिडोर परियोजनाओं का जिक्र किया गया है। भोपाल-संत हिरदाराम नगर कॉरिडोर का निर्माण जारी है। ग्वालियर में स्वर्ण रेखा नदी पर एलिवेटेड कॉरिडोर का काम भी प्रगति पर बताया गया है। इंदौर और उज्जैन-इंदौर मार्ग से जुड़ी एलिवेटेड परियोजनाओं को भी सूची में रखा गया है। उज्जैन में फोर-लेन एलिवेटेड कॉरिडोर के साथ महाकाल रोपवे का निर्माण कार्य भी जारी है। राज्य सरकार ने इन परियोजनाओं को शहरों में यात्रा समय और जाम के दबाव से जोड़ा है।

चंबल पुल और रेलवे ओवरब्रिज

क्षेत्रीय संपर्क बढ़ाने के लिए चंबल नदी पर अटेर-जैतपुर मार्ग में उच्च स्तरीय पुल निर्माणाधीन है। इसके साथ 111 रेलवे ओवरब्रिज पर भी काम चल रहा है। यह पैकेज सड़क सुरक्षा और निर्बाध यातायात के नजरिये से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। रेलवे क्रॉसिंग वाले हिस्सों में ओवरब्रिज बनने से रुकावट कम होने और लंबी दूरी के परिवहन को गति मिलने की उम्मीद है। राज्य की कनेक्टिविटी योजना में इसे ग्रामीण-शहरी मार्गों के एकीकरण के हिस्से के रूप में रखा गया है।

गैंगस्टर सतीश भाऊ, पत्नी के साथ खजराना थाने में हुआ पेश, घंटों बैठाया

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● गैंगस्टर सतीश भाऊ खजराना थाने में पेश हुआ, जहां पर पुलिस ने उसे घंटों बैठाया। भाऊ पर खजराना मंदिर के गर्भगृह में घुसने का आरोप है। वह अपनी पत्नी नीलम पवार और वकीलों के साथ थाने पहुंचा। खजराना गणेश मंदिर के गर्भगृह में घुसने वाला गैंगस्टर सतीश भाऊ आखिरकार पुलिस के सामने पेश हो गया। केस दर्ज करने के बाद खजराना पुलिस दो दिन से उसकी तलाश में दबिश दे रही थी। आखिरकार वह बुधवार दोपहर में खजराना थाने में पत्नी नीलम पवार के साथ ही वकीलों को लेकर पहुंचा और पेश हुआ। खजराना टीआई मनोज सेंधव और उनकी टीम द्वारा दो दिन से भाऊ की तलाश में छापे मारे गए थे। वह घर पर ताला लगाकर भाग गया था। आखिरकार वह पुलिस की दबिश से परेशान होकर पत्नी के साथ थाने में पेश हुआ। साथ में वकील लेकर भी पहुंचा था ताकि विधिक प्रक्रिया थाने में कर ली जाए। वहीं पुलिस ने उसे घंटों जमीन पर बैठाया और गैंगस्टर की जगह सड़कछाप गुंडे जैसा ट्रीटमेंट दिया गया। गैंगस्टर भाऊ कोने में दुबका रहा और पुलिस की कार्रवाई का इंतजार करता रहा। खजराना मंदिर प्रबंधन की शिकायत पर भाऊ को गर्भगृह में प्रवेश दिलाने वाले आकाश रावत पर केस हुआ। रावत के बयान पर खजराना पुलिस ने भाऊ और पत्नी नीलम को आरोपी बनाया। इन तीनों पर ही बीएनएस की धारा 223(ए) के तहत केस दर्ज किया गया। नियमानुसार इस धारा में नोटिस देकर थाने से छोड़ा जाएगा। बताया जा रहा है एक बार फिर उससे डोजियर भरवाया जाएगा। इसके पहले भी खजराना थाने में डोजियर भरवाया जा चुका है।

11 फरवरी को घुसा था भाऊ-भाऊ 11 फरवरी को शाम 7.45 बजे दर्जन भर गुर्गों के साथ मंदिर पहुंचा था। इसके बाद वह पत्नी के साथ गर्भगृह में गया और 19 फरवरी को हो रहे शिवाजी जयंती आयोजन का न्यौता अर्पित किया। मंदिर में गुंडों के साथ घूमता रहा और पुजारियों से भी मुलाकात की।

गुंडों को दिया है शिवाजी जयंती में आने का बुलावा

गैंगस्टर भाऊ धीरे-धीरे राजनीति के लिए पत्नी नीलम को आगे कर रहा है। उन्हीं की संस्था, श्रीमंत योगी छत्रपति शिवाजी महाराज विचार मंच इंदौर, के तहत नेहरू स्टेडियम के पास 19 फरवरी शाम को सांस्कृतिक आयोजन है। इसके लिए पूरे मालवा से और खासकर महाराष्ट्र से कई बड़े गुंडे, गैंगस्टर इसमें आते रहे हैं। इस बार फिर से इसमें इन सभी को बुलाया गया है। कई बीजेपी नेताओं के पोस्टर, बैनर लगाकर इस आयोजन को भव्य तरीके से किया जाता है। इस आयोजन का यह तीसरा साल है। माना जा रहा है कि इसी आयोजन के चलते वह थाने में पेश हुआ है। वहीं आयोजन की मंजूरी भी अभी उलझी हुई।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : अक्षय तिवारी द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरुद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।